महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 305 | उज्जैन, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

फिर से कोशिश करने से मत डरो क्योंकि,इस बार आपकी शुरुआत अनुभव से होगी, शून्य से नहीं.....!

नर्मदापुरम-टिमरनी स्टेट हाईवे तरक्की का खोलेगा नया मार्ग : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों के सामाजिक-आर्थिक उन्नयन के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर समान रूप से ध्यान दे रहे हैं

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन भारत के लोकतंत्र के इतिहास का बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 21वीं शताब्दी के सबसे बड़े निर्णय नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर लोकसभा में चर्चा की शुरुआत हुई है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बहनों के राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। नारी केवल सृष्टि की जननी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की उन्नति की वास्तविक सूत्रधार है। जब हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं, तो उसकी नींव में आधी आबादी के सामर्थ्य, संघर्ष और सफलता की कहानियां स्पष्ट दिखाई देती हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सामर्थ्य को संवैधानिक मान्यता देने और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं के लिए नेतृत्व के नए द्वार खोलने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों के सामाजिक-आर्थिक उन्नयन के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर भी समान रूप से ध्यान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 972 करोड़ से अधिक लागत के 72 किलोमीटर लंबे नर्मदापुरम-टिमरनी स्टेट हाईवे-67 का उन्नयन एवं पुनर्निर्माण कार्य के भूमि-पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को नर्मदापुरम जिले के सिवनी-मालवा में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री और नर्मदापुरम के प्रभारी श्री राकेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पहले से ही स्थानीय निकाय और नगरीय निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत पद बहनों के लिए आरक्षित हैं। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, राज्य सरकार जो कहती है, उसे पूरा करती है। प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को अब तक 55 हजार करोड़ रूपए से अधिक राशि दी जा चुकी है। लाड़ली बहना योजना की शुरुआत से लेकर अब तक प्रति बहन 40 हजार 500 रुपए से अधिक राशि बहनों के बैंक खातों में आई है। बहनें चिंता न करें, योजना की राशि बढ़कर 1500 रुपए करने के साथ आगे भी जो संभव होगा वह किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। प्रदेश में पहली बार शासकीय स्कूलों के बच्चों को ÷माता यशोदा योजना÷ के अंतर्गत निःशुल्क दूध के पैकेट बांटे जाएंगे। हमारे बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से तंदुरुस्त बनेंगे। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने और गौपालन को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए ÷डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना÷ की शुरू की है। इससे हमारे भाई-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार ने कठिन समय में सड़क पर घायलों की मदद के लिए राहवीर योजना शुरू की है, जिसमें घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार रुपए की राशि प्रोत्साहन स्वरूप देने की व्यवस्था है। मुश्किल वक्त में गरीब-जरूरतमंदों की मदद के लिए एयर एम्बुलेंस भी संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि, पर्यटन, उद्योग, वन्य जीव और जनजातीय क्षेत्रों को समेटे नर्मदापुरम जिला विविधता से परिपूर्ण है। पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह के नाम पर कैबिनेट बैठक आयोजित की गई थी। नर्मदापुरम में नर्मदा लोक भी बन रहा है। नर्मदापुरम में उद्योग और कृषि के विकास के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सड़कें विकास का आधार हैं, इस तथ्य को दृष्टिगत रख नर्मदापुरम जिले में अनेक सड़क परियोजनाओं का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि सिवनी मालवा को लगभग 1000 करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। इसमें 972 करोड़ से अधिक लागत के 72 किलोमीटर लंबे नर्मदापुरम-टिमरनी स्टेट हाईवे-67 का उन्नयन एवं पुनर्निर्माण कार्य का भूमि-पूजन शामिल है। यह केवल सड़क नहीं है, इससे सीधे इंदौर-उज्जैन तक पहुंचना आसान हो जाएगा। इस स्टेट हाईवे के माध्यम से सिवनी-मालवा नए दौर में प्रवेश करेगा और कनेक्टिविटी का लाभ पूरे क्षेत्र को मिलेगा। सिवनी-मालवा में इस सड़क के साथ विकास का सूर्योदय हुआ है। स्टेट हाईवे के साथ सिवनी-मालवा को 106 करोड़ 30 लाख लागत के 96 विकास कार्यों की सौगात मिली है। जिसमें 48 करोड़ 61 लाख की लागत के 45 विकास कार्यों का लोकार्पण और 57 करोड़ 69 लाख की लागत के 51 विकास कार्यों का भूमि-पूजन संपन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा नदी आंवली घाट के हथनापुर गांव में सिंचाई परियोजना के विकसित करने की घोषणा की। इस परियोजना का लाभ क्षेत्र के 40 गांवों के 10 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नगर पालिका सिवनी-मालवा में सड़क, सीवेज, बिजली-पानी की मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए विशेष निधि से राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी-मालवा-शिवपुर बावरी मुख्य मार्ग की मंजूरी, पीपलपुरा पुल निर्माण और बनापुरा के शासकीय स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही शिवपुर और डोलपुर में सांदीपनि विद्यालय के लिए सर्वे कराने और एक विद्यालय की मंजूरी देने की घोषणा की।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली ब्लास्ट मामले में SIA ने दाखिल की चार्जशीट, जैश को ढाल बना कश्मीर में आतंक फैलाने की थी साजिश

श्रीनगर/ जीएनएस। दिल्ली में नवंबर 2025 में लाल किले के पास आत्मघाती आतंकी हमले को अंजाम देने वाले व्हाईट कॉलर टेलर-डॉक्टर्स टेरर मॉड्यूल घाटी में अंसार गजवात-उल-हिंद(एजीयूएच-एजीएच) को फिर से जिंदा करना चाहता था। उसने जैश-ए-मोहम्मद के नाम का इस्तेमाल एक मुखौटे की तरह और जैश के नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए किया है। यह दावा प्रदेश जांच एजेंसी एसआईए ने गुरुवार को NIA अधिनियम के तहत श्रीनगर में गठित विशेष अदालत में डाक्टर्स टेरर मॉड्यूल संबंधी मामले में दायर किए गए अपने आरोपपत्र में किया है। यह मॉड्यूल देश के विभिन्न भागों में आतंकी हमलों के लिए ट्राइएसीटोन ट्राइपेरॉक्साइड नामक घातक विस्फोटक तैयार करने में लगा हआ था, क्योंकि इसके घटक आसानी से मिल जाते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन इसी विस्फोटक का इस्तेमाल करते हैं। आरोपपत्र में पकड़े गए टेरर मॉड्यूल के 10 सदस्यों को आरोपित बनाया गया है। इनमें लाल किले के बाहर आत्मघाती हमले को अंजाम देते हुए मारा गया आतंकी डॉक्टर उमर उन नबी भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि 19 अक्टूबर, 2025 को पुलिस ने श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र नौगाम में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के भड़काऊ और धमकी भरे पोस्टर कई जगह दिवारों के पर चिपके देखे और मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस इस मामले में लिप्त तत्वों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया। इससे पहले कि पुलिस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करती,10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास डॉक्टर्स टेरर मॉड्यूल के एक अहम सदस्य डॉ. उमर उन नबी ने विस्फोटकों से भरी कार संग खुद को उड़ा दिया। इस विस्फोट में एक दर्जन लोग मारे गए। इस मामले की जांच प्रदेश जाचं एजेंसी एसआइए और एनआइए अपने अपने स्तर पर कर रही हैं।

पाकिस्तान में ढेर हो रहे भारत के मोस्ट-वांटेड आतंकी, कौन है हमलों के पीछे का मास्टरमाइंड?

नई दिल्ली/ जीएनएस। आतंकी हाफिज सईद के करीबी और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापकों में से एक आमिर हमजा को लाहौर में अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और हालत गंभीर बताई जा रही है। लश्कर-ए-तैयबा कई आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा है, जिनमें भारत में किए गए हमले भी शामिल हैं। माना जाता है कि उसने 2005 में बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान पर हुए आतंकी हमले की साजिश रचने में मदद की थी, जो कश्मीर के बाहर लश्कर के पहले बड़े हमलों में से एक था। पुलिस के अनुसार, अज्ञात बंदूकधारियों ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी के स्वामित्व वाले निजी टीवी चैनल के वाहन पर गोलीबारी की। चैनल के एक कार्यक्रम के होस्ट के रूप में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नजीर अहमद गाजी वाहन में सवार थे। वह शो की रिकाॅर्डिंग पूरी कर घर लौट रहे थे। उनके साथ वाहन में हमजा भी सवार था। दो अज्ञात हथियारबंद मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और लाहौर के पेको रोड पर चैनल के कार्यालय के पास गोलीबारी की। हमले में हमजा को गोली लगी। आईएएनएस के अनुसार, हमजा आतंकी हाफिज सईद के बाद लश्कर का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण सरगना माना जाता है। उसने हाफिज सईद के साथ मिलकर लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना की थी, जिसे दिसंबर 2001 में अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी इकाई घोषित किया गया था।

किस फॉर्मूले पर बना 850 सीटों का गणित? अमित शाह बोले- दक्षिण के राज्यों को नहीं होगा कोई नुकसान

नई दिल्ली/ जीएनएस। परिसीमन के कारण दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधित्व कम होने की विपक्ष की आशंकाओं को गृहमंत्री अमित शाह ने निर्मूल करार दिया।

सभी राज्यों में लोकसभा की सीटों में 50 फीसद समानुपातिक बढ़ोतरी के बाद दक्षिण के राज्यों में बढ़ने वाली सीटों और लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व का आकंड़ा पेश करते हुए उन्होंने इस संबंध में फैलाई जा रही भ्रांतियों का भी निवारण किया।

कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु का आंकड़ा विशेष रूप से पेश करते हुए कहा कि इन पांच राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या 129 से बढ़कर 195 हो जाएगी जबकि प्रतिनिधित्व 23.76 से बढ़कर 23.87 होगा। ध्यान रहे कि दक्षिण के कुछ नेता यह प्रचारित कर रहे हैं कि परिसीमन से दक्षिण का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

अमित शाह ने 50 फीसद सीटें बढ़ाने का कोई आधार नहीं होने के विपक्ष के आरोपों को भी खारिज कर दिया। विपक्ष के कई सांसदों ने आरोप लगाया था कि सरकार ने मनमाने तरीके से 50 फीसद सीटें बढ़ाने का फैसला कर लिया है। शाह ने बताया कि 50 फीसद सीट बढ़ाने का फैसला सीधे महिला आरक्षण से जुड़ा हुआ है।

आंकड़ों के साथ उन्होंने बताया कि यदि 100 सीटों वाली लोकसभा में सामान्य सीटों की संख्या कम किए बिना 33 फीसद आरक्षण का प्रविधान करना हो, तो उसकी सीटें 50 फीसद बढ़ानी होगी। ऐसे में 150 सीटों में 50 सीटे महिलाओं के आरक्षित होने के साथ ही सामान्य के लिए 100 सीटें बची रह जाएंगी। इसी फार्मूला पर लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों से बढ़ाकर 815 किया गया है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 को होगा FTA पर हस्ताक्षर, 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के निवेश की संभावना

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को यहां मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। एक अधिकारी ने कहा कि इस समझौते का मकसद घरेलू निर्यातकों के सामान के लिए इस देश के बाजार में टैरिफ मुक्त पहुंच उपलब्ध कराना है। इस समझौते से अगले 15 सालों में 20 अरब डालर का निवेश आने की संभावना जताई गई है।

2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 1.3 अरब डालर रहा। 2024 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार लगभग 2.4 अरब डालर तक पहुंच गया, जिसमें अकेले सेवाओं का व्यापार 1.24 अरब डांलर रहा।

व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने का एलान- दोनों देशों ने पिछले साल 22 दिसंबर को इस व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने का एलान किया था। समझौते का लक्ष्य अगले पांच सालों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब डालर तक पहुंचाना है। अधिकारी ने बताया कि समझौते पर 27 अप्रैल को भारत मंडपम में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम की बैठक के बाद हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते से जहां एक ओर भारत को अपने 100 प्रतिशत निर्यात पर शून्य-शुल्क बाजार पहुंच हासिल होगी वहीं यह समझौता न्यूजीलैंड के भारत को होने वाले 95 प्रतिशत निर्यात पर लगने वाले कर को पूरी खत्म कर देगा।

इन वस्तुओं पर सरकार ने नहीं दी रियायत- न्यूजीलैंड की जिन वस्तुओं के निर्यात पर शुल्क शून्य हो जाएगा, उसमें ऊन, कोयला, लकड़ी, वाइन से लेकर एवोकैडो और ब्लूबेरी तक जैसी चीजें शामिल हैं।

नीट-यूजी परीक्षा में सख्ती: AI कैमरे, बायोमैट्रिक जांच और 5G जैमर से नकल पर कड़ी नजर

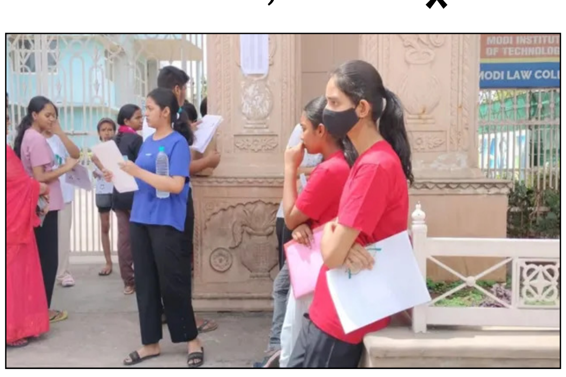

नई दिल्ली/ जीएनएस। मेडिकल में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली नीट-यूजी (नेशनल एलिजबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट-अंडर ग्रेजुएट) परीक्षा को किसी भी तरह की गड़बड़ी और नकल मुक्त बनाने के लिए इस बार कड़े इंतजाम किए है।

इस दौरान नकल करने वालों पर निगाह रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र को एआई युक्त कैमरों से लैस किया जाएगा, वहीं परीक्षा में शामिल होने वाले आवेदकों की पहचान के लिए कई स्तरों पर जांच पड़ताल की जाएगी।

कैसे की जाएगी पहचान- इनमें आधार के जरिए बायोमैट्रिक वेरीफेशन के साथ ही फिजिकल व दस्तावेजों में दी गई जानकारी आदि के जरिए अलग-अलग स्तरों पर पहचान की जांच की जाएगी। नीट-यूजी 2024 में गड़बड़ी व पेपर लीक होने जैसे आरोपों के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर परीक्षा को फुलप्रूफ बनाने के लिए गठित उच्च स्तरीय कमेटी की सिफारिश के बाद एनटीए ने यह कड़े कदम उठाए है। एनटीए से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलुओं को बारीकी से जांचा जा रहा है और उस पर निगाह भी रखी जा रही है। परीक्षा में शामिल होने वाले दिव्यांगजनों से भी अपने लिए मांगे राइटर का पूरा ब्यौरा 21 अप्रैल तक मुहैया कराने को कहा गया, ताकि उनकी भी जांच की जा सके।

वहीं डीएम और एससी से परीक्षा केंद्रों का दौरा करने के लिए कहा गया है। परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित प्रश्नपत्रों को पहुंचाने के लिए इससे जुड़ी पूरी व्यवस्था को जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम से लैस किया गया है, जिससे मुख्यालय से बैठकर उसके मूवमेंट पर नजर रखी जाएगी।

वहीं प्रत्येक परीक्षा केंद्र को 5जी जैमर से लैस करने की व्यवस्था की गई है। एनटीए से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा केंद्रों पर लगाए जाने वाली एआइ युक्त कैमरे से यदि कोई भी छात्र परीक्षा कक्ष में किसी तरह की ताक-झांक करता है तो उसे तुरंत ही पहचाना जा सकेगा।

नकल करने पर होगी कार्रवाई- यदि वह नकल करते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। गौरतलब है कि नीट-यूजी का परीक्षा तीन मई को देश भर में प्रस्तावित है। जिसके लिए इस बार करीब 25 लाख आवेदकों ने आवेदन किए है।

यूपी पुलिस का 'फॉरेंसिक वार', 300 क्राइम सीन एक्सपर्ट्स तैयार

लखनऊ/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश में अपराधियों का बचना अब नामुमकिन होने वाला है। योगी सरकार ने प्रदेश की पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक जांच के साथ एक नई ऊंचाई दी है। राजधानी लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस ने 300 प्रशिक्षित क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार कर लिए हैं। हाल ही में संस्थान से 105 एक्सपर्ट्स का तीसरा बैच अपनी 42 दिनों की कठिन ट्रेनिंग पूरी कर मैदान में उतरने को तैयार है। यह जांबाज पुलिसकर्मी अब घटनास्थल पर अपराधियों द्वारा छोड़े गए सूक्ष्म साक्ष्यों को सहेजने और उनकी वैज्ञानिक व्याख्या करने में सक्षम होंगे। एडीजी (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा ने प्रशिक्षण के दौरान स्पष्ट किया कि अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, वह घटनास्थल पर कोई न कोई सबूत जरूर छोड़ता है। प्रशिक्षित क्राइम सीन एक्सपर्ट्स का मुख्य काम उन गलतियों को रोकना होगा जो अक्सर जांच के दौरान साक्ष्यों के रखरखाव में हो जाती हैं। साइबर और फॉरेंसिक तकनीकों के मिश्रण से अब ऐसी जांच प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे अपराधी कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी के अनुसार, सरकार का लक्ष्य कुल 500 एक्सपर्ट्स तैयार करना है।

सीरियल से हटकर संसद पर ध्यान लगाएं, अखिलेश यादव की टिप्पणी पर स्मृति ईरानी का पलटवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर चर्चा के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने करारा जवाब दिया है।

अखिलेश यादव ने स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा था, अगर आप सीट रिजर्व करा देंगे तो महिलाओं में आपस में ही कॉम्पिटिशन हो जाएगा। आपकी वो सास-बहू वाली तो हार गई।

स्मृति ईरानी का पलटवार - इस पर स्मृति ईरानी ने एक्स पर पलटवार करते हुए लिखा, मैंने सुना कि आज अखिलेश जी ने संसद में मुझे याद किया। यह अच्छी बात है, जिन्हें राजनीति विरासत में मिली है, वे उन लोगों को भी याद रखते हैं जो अपने दम पर आसमान में सुराख कर देते हैं।

ईरानी ने आगे कहा, वे कामकाजी महिलाओं पर टिप्पणी करते हैं, वे लोग, जिन्होंने अपनी जिंदगी में कभी कोई नौकरी नहीं की। अपना ध्यान सीरियल से हटाकर संसद पर लगाइए, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उस अहम बिल को पास करवाइए। अखिलेश यादव ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी पार्टी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के जेंडर जस्टिस और सोशल जस्टिस के सिद्धांतों पर चल रही है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि पार्टी OBC की 33 प्रतिशत महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहती।

अखिलेश ने दावा किया कि परिसीमन के समय भाजपा ने ऐसी रणनीति बनाई है जिससे फायदा केवल उन्हें मिले। उन्होंने मांग की कि परिसीमन से पहले जनगणना हो, ताकि सही आंकड़ों के आधार पर सीमाएं तय की जा सकें।

सैन्य संघर्ष समस्याओं का समाधान नहीं, स्थायी शांति ही रास्ता, पीएम मोदी की दुनिया से अपील

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आज पूरी दुनिया बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है, जो हर देश को प्रभावित कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, दोनों जगह स्थिर, स्थायी और दीर्घकालिक शांति की जरूरत है।

ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर क्रिश्चियन स्टाकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने ये बातें कहीं। चांसलर स्टाकर चार दिवसीय भारत यात्रा पर हैं, जो उनकी यूरोप के बाहर पहली आधिकारिक यात्रा है। चार दशकों बाद कोई आस्ट्रियाई चांसलर भारत दौरे पर है। दोनों नेताओं ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की और इन चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। मोदी ने कहा, ऐसी तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में भारत और आस्ट्रिया दोनों इस बात पर एकमत हैं कि सैन्य संघर्ष समस्याओं का हल नहीं है। हम यूक्रेन और पश्चिम एशिया दोनों में स्थिर और टिकाऊ शांति चाहते हैं।

वार्ता में दोनों पक्षों ने वैश्विक संस्थाओं के सुधार पर भी सहमति जताई। आतंकवाद का पूर्ण रूप से खात्मा दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता है।वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच छह महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

इनमें भारतीय और ऑस्ट्रियाई कंपनियों के लिए एक-दूसरे के यहां निवेश को आसान बनाने के लिए फास्ट ट्रैक मैकेनिज्म, सैन्य सहयोग और आतंकवाद विरोधी सहयोग शामिल हैं। दोनों देश आतंकवाद पर संयुक्त कार्य समूह गठित करने पर भी सहमत हुए।

पीएम मोदी ने स्टाकर की यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आस्ट्रियाई कंपनियां भारत में रेलवे, स्वच्छ ऊर्जा और इंजीनियरिंग क्षेत्र में पहले से सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब भारत-ऑस्ट्रिया संबंधों में नया स्वर्णिम अध्याय शुरू हो रहा है।

हमारे महापौर जी का 'नया नवाचार', भ्रष्टाचार में बनायेंगे रिकॉर्ड- चिंटू चौकसे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम में सड़क निर्माण को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने शहर की राजनीति को गर्मा दिया है। जोन क्रमांक 4 के वार्ड 12 अंतर्गत यादव नंदनगर गली नंबर 2 में सड़क निर्माण में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने इस मुद्दे को प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उठाते हुए महापौर पर निशाना साधा और इसे नया नवाचार बताते हुए भ्रष्टाचार का बड़ा उदाहरण करार दिया।

बताया जा रहा है कि वर्ष 2022 में इस सड़क के निर्माण के लिए 13,35,000 का टेंडर जारी किया गया था। भूमिपूजन भी हुआ और नगर निगम की फाइलों में सड़क निर्माण कार्य को 100 प्रतिशत पूर्ण दर्शा दिया गया। इसके बाद बिल पास कर भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन जमीनी हकीकत में सड़क का निर्माण आज तक नहीं हुआ। गली की हालत खराब बनी हुई है, जहां जगह-जगह गड्ढे, कीचड़ और टूटी सड़क लोगों की परेशानी का कारण हैं।

मामले में नया मोड़ तब आया जब वर्ष 2026 में उसी सड़क के लिए नगर निगम द्वारा 21,69,353 का नया टेंडर जारी कर दिया गया। इसने पूरे प्रकरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि सड़क पहले ही बन चुकी थी, तो दोबारा टेंडर क्यों निकाला गया। क्या पहली सड़क केवल कागजों में ही बनी थी या फिर यह मामला किसी बड़े घोटाले की ओर इशारा कर रहा है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जनवरी 2022 में माही इंटरप्राइजेज नामक फर्म को सड़क निर्माण का ठेका दिया गया था। सभी प्रक्रियाएं पूरी कर फाइलों में काम पूरा दिखाया गया और भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन मौके पर निर्माण कार्य शुरू तक नहीं हुआ। रहवासियों के अनुसार इस गली में आखिरी बार वर्ष 2005-2006 में सड़क का निर्माण हुआ था, जिसके बाद से अब तक कोई ठोस काम नहीं हुआ।

नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत की आशंका जताते हुए कहा है कि इस मामले की शिकायत नगर निगम कमिश्नर और लोकायुक्त से की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी। यह मामला नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है और कागजों में विकास और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

किशोरियों में एचपीवी वायरस बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण का कार्य तेजी से जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में किशोरियों में एचपीवी वायरस को रोकने के लिए एचपीवी टीकाकरण का कार्य तेजी से जारी है। जिले में आज दिनांक तक एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान के कुल 22 हजार 657 टीका लगाए जा चुके हैं, जो कि कुल लक्ष्य का 69 प्रतिशत के लगभग है। टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में निजी तथा शासकीय महाविद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा किशोरियों का उन्मुखीकरण, परामर्श एवं सत्रों का संचालन सतत किया जा रहा है। इसके सुखद परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि मार्च माह तक विद्यालयों में वार्षिक परीक्षाएं होने से अभियान की गति धीमी रही, किन्तु अब नियमित सत्रों के दौरान हमारे अभियान को व्यापक समर्थन मिल रहा है। जिला प्रशासन, निजी तथा शासकीय विद्यालयों का सहयोग भी सतत प्राप्त हो रहा है, अभिभावक भी इस अभियान से जुड़ रहे हैं।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता ने बताया कि जिले की टीम भी सतत मैदान में सक्रिय है और स्कूल प्रबंधन तथा बच्चों, अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान हर स्तर पर कर रही है, विद्यालयों में प्रस्तुतीकरण दे रही है और आशा है कि हम सबके समन्वित प्रयासों से अतिशीघ्र लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

शहरी एवं ग्रामीण विकासखंडों में भी टीकाकरण सत्रों का अवलोकन और सुपरविजिन क्षेत्र के विभिन्न अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। आज दिनांक तक कुल 22 हजार 657 टीके लगाए जा चुके हैं, जो इस अभियान की गति को दर्शाता है।

इंदौर में जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में जनगणना की तैयारियों को गति देते हुए आज से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आगामी 18 अप्रैल तक आयोजित इस प्रशिक्षण में लगभग तीन हजार नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रगणक और सुपरवाइजर भाग ले रहे हैं। उक्त प्रगणक घर-घर जाकर डिजिटल रूप से जनगणना का कार्य करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदौर नगर निगम क्षेत्र के लगभग 2100 तथा ग्रामीण क्षेत्र के 790 प्रगणक एवं सुपरवाइजर शामिल हुए हैं। इन्हें जनगणना से जुड़े तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि आगामी कार्य को सटीक, प्रभावी और निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जा सके। प्रशिक्षण के लिए शहर में होलकर साइंस कॉलेज और वैष्णव विद्यालय राज मोहल्ला तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए देपालपुर में शहीद भागीरथ सिलावट कॉलेज और शासकीय मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, सांवेर में पीएम श्री शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल, डॉ. अम्बेडकर नगर महू में शासकीय सांदीपनी मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महुगाँव, बिचौली हप्सी में स्कूल ऑफ फार्मेसी देवी अहिल्या ?विश्वविद्यालय तक्षशिला परिसर तथा विशेष जूपिटर हॉस्पिटल के पास, मल्हारगंज में करियर एकेडमी नंद बाग रोड, राऊ में शासकीय महाविद्यालय और शासकीय महाविद्यालय विज्ञान भवन राऊ केन्द्र निर्धारित किए गए हैं, जहां प्रतिदिन सुबह 9-30 बजे से शाम 5-30 बजे तक सत्र संचालित हो रहे हैं।

छठवें वेतनमान के कर्मचारियों का राहत और महंगाई भत्ता बढ़कर हुआ 257%

कर्मचारियों को मिलेगा एरियर का भी लाभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन ने छठवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते में वृद्धि का निर्णय लिया है। इस फैसले से कर्मचारियों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा और लंबित एरियर का भी भुगतान सुनिश्चित किया गया है।

राज्य शासन द्वारा छठवें वेतनमान अंतर्गत कार्यरत शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है। संशोधित दरों के अनुसार महंगाई भत्ता 252 प्रतिशत से बढ़ाकर 257 प्रतिशत कर दिया गया है। यह 1 जुलाई 2025 से प्रभावशील होगा।

इस वृद्धि का वास्तविक लाभ कर्मचारियों को 1 अप्रैल 2026 से (भुगतान माह मई 2026) से मिलना शुरू होगा। साथ ही, 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि का एरियर 6 समान किश्तों में मई से अक्टूबर 2026 तक दिया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को चरणबद्ध रूप से आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

शासन ने यह भी प्रावधान किया है कि उक्त अवधि के दौरान सेवानिवृत्त या दिवंगत हो चुके कर्मचारियों अथवा उनके नामांकित परिजनों को एरियर की राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिल महंगाई भत्ते की गणना में 50 पैसे या उससे अधिक राशि को अगले पूर्ण रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा, जबकि इससे कम राशि को नजरअंदाज किया जाएगा। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते को किसी भी अन्य प्रयोजन हेतु वेतन का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

इंदौर में 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' अभियान जारी, 27 कार्यक्रमों में 4000 से ज्यादा हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर ÷हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें÷ अभियान के तहत लगातार जनजागरूकता के प्रयास किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जान-माल की हानि को कम करना है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में शहर में लगातार इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में 16 अप्रैल 2026 को पलासिया चौराहे पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 27वां वृहद हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अभियान के दौरान ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए जिनके पास सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे, लेकिन वे हेलमेट नहीं पहन रहे थे। वहीं जिन चालकों ने यातायात नियमों का उल्लंघन किया, उनका पहले चालान किया गया और उसके बाद उन्हें सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कई ऐसे जिम्मेदार वाहन चालक भी सामने आए जो स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर चल रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने उनकी सराहना करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार देकर प्रोत्साहित किया। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा अब तक इस अभियान के तहत 27 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 4000 से अधिक हेलमेट जरूरतमंदों को वितरित किए गए हैं।

पुलिस प्रशासन का मानना है कि लगातार ऐसे जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति समझ बढ़ेगी और वे यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित होंगे। शहर में आगे भी इसी तरह के अभियान जारी रहेंगे, ताकि हर नागरिक सुरक्षित रहे और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 121 ग्राम MD ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 121 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 12 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में नशे के कारोबार पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टिगरिया बादशाह रोड, टीसीएस चौराहा के पास एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स की डिलीवरी करने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 121 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान शैलेंद्र चौहान निवासी नाहरगढ़, सीतामऊ जिला मंदसौर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह इंदौर में नशे के आदी लोगों को सस्ते दामों पर मादक पदार्थ बेचता था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। कुल जब्त सामग्री की कीमत करीब 12.50 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाने में मारपीट का मामला दर्ज है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ थाना अपराध शाखा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उससे ड्रग्स के स्रोतों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

इंदौर पुलिस का कहना है कि शहर में नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

इंदौर में मर्डर मिस्ट्री का खुलासा, अवैध संबंध के चलते युवक की हत्या, 4 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के राऊ क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्या कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जोन-1 नगरीय क्षेत्र अंतर्गत थाना राऊ पुलिस ने इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाते हुए उज्जैन के एक लिस्टेड बदमाश सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हत्या अवैध प्रेम संबंध और आपसी रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से की गई थी।

घटना 12 अप्रैल 2026 की रात की है, जब पुलिस को सूचना मिली कि नखराली ढाणी, केट रोड के सामने एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल की पहचान नवीन पिता गोपाल कृष्ण पाटीदार, उम्र 31 वर्ष, निवासी रंगवासा राऊ के रूप में की। प्रारंभ में मर्ग कायम किया गया, लेकिन घटनास्थल से खाली कारतूस मिलने और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद मामला हत्या का पाया गया। इसके बाद पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। बिना नंबर की मोटरसाइकिल के जरिए आरोपियों तक पहुंच बनाते हुए पुलिस ने ग्लेमर हिल्स कॉलोनी राऊ से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश कुमावत निवासी उज्जैन, अजय धोलपुरिया निवासी देवास और श्रीराम बलाई निवासी देवास शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक की पत्नी से अवैध संबंध और आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल, एक देशी पिस्टल और कारतूस जब्त किए हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि इस साजिश में राहुल उईके निवासी उज्जैन और मृतक की पत्नी भारती भी शामिल हैं। राहुल उईके फिलहाल फरार है, जबकि भारती को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुख्य आरोपी मुकेश कुमावत के खिलाफ पहले से ही हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और मारपीट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

इंदौर में 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान को मिल रहा जनसमर्थन, 3350 नागरिक जुड़े, 4 प्रहरियों का सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को बेहतर और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ट्रैफिक प्रहरी अभियान को आम नागरिकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत शहर के जिम्मेदार नागरिक स्वेच्छा से जुड़कर विभिन्न चौराहों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग दे रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य न केवल यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना है, बल्कि लोगों में नियमों के पालन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाना है।

इसी क्रम में 16 अप्रैल 2026 को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार ट्रैफिक प्रहरियों—बसंत सोनी, अमृतपाल सिंह, माया मंडलोई और मनीष उपाध्याय को शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने प्रहरियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नागरिकों की भागीदारी से ही शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था संभव हो पाती है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अब तक 3350 से अधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ चुके हैं और अपनी सुविधा अनुसार समय और स्थान चुनकर चौराहों पर ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में पुलिस की मदद कर रहे हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ें और शहर को सुरक्षित बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

अभियान से जुड़ने के लिए नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म भर सकते हैं और अपनी उपलब्धता के अनुसार ट्रैफिक प्रहरी के रूप में कार्य कर सकते हैं। ट्रैफिक प्रहरी के माध्यम से नागरिक न केवल यातायात पुलिस की सहायता कर रहे हैं, बल्कि आम लोगों को नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह पहल शहर में सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

मंत्री श्री सिलावट ने जल गंगा संवर्धन अभियान के विकास कार्यों समीक्षा की

तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और जीर्णोद्धार के कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नगर निगम के अधिकारियों और पार्षदों के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जल संरक्षण और संरक्षण के कार्यों में तेजी लायी जाए। कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान रखा जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। बताया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2026 तक चलेगा जिसमें अन्तर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन किया जाना है। इसका उद्देश्य नदियों और तालाबों और पारम्परिक जल स्रोतों का संरक्षण और जीर्णोद्धार करना है। यह अभियान भूजल स्तर में सुधार, जल स्रोतों के शुद्धिकरण और हरित क्षेत्र निर्माण के लिए जन आन्दोलन-जनभागीदारी से होगा।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा में लगभग साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से कनाडिया, निपानिया, लसुडिया मोरी, भवरासला, बरदरी, रेवती, मायाखेडी, अरण्डिया और पिपलियाकुमार तालाबों में जल संवर्धन और संरक्षण के अन्तर्गत तालाबों की पाल निर्माण, पाथवे, पीचिंग, गहरीकरण और सौन्दर्गीकरण का कार्य किया जा रहा है जिसमें गति लाकर समय-सीमा में निर्माण कार्य कराये।

सभी अधिकारी नगरीय निकायों को स्वावलंबी और विकास केंद्र के रूप में करें स्थापित : मंत्री श्री विजयवर्गीय

सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में शहरी सुधार कार्यशाला का किया शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में दीप प्रज्वलित कर शहरी सुधार कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए दूरदर्शी नेतृत्व और कर्मठता के साथ नगरों के कायाकल्प करने का आह्वान किया।

मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जीवन में सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि, यदि सभी अधिकारी विद्यार्थी भाव को आत्मसात कर जीवन जिएंगे, तो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों ही उत्कृष्ट होंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल नियमों से नहीं, बल्कि उचित व्यवहार से चलता है। जनता की सेवा के लिए समर्पण और कठोर परिश्रम ही एक सफल अधिकारी की वास्तविक पहचान है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को दोहराते हुए श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप हमें सभी नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि हमारे शहरी केंद्रों को विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। अधिकारियों को अब केवल सुदृढ़ सड़क और स्वच्छ जल तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें शहर में रोजगार के नवीन अवसर उत्पन्न करने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने नगरों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण पर चर्चा करते हुए भूमि मुद्रीकरण और भूमि के कुशल प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि नगरीय भूमि का उपयोग जनकल्याणकारी और विकास कार्यों के लिए प्रभावी ढंग से हो।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण को मिलेगी नई दिशा : प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया

कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं।

महिलाओं को संसद एवं विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, उपाध्यक्ष मनु प्रिया यादव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष नम्रता चावला, पूर्व अध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी, वंदना खंडेलवाल, स्वाति चोपड़ा, सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग, गरोठ विधायक चंदर सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित जिलाधिकारी, बड़ी संख्या में मातृ शक्ति पत्रकार मौजूद थे।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय साबित होगा। इससे महिलाओं को न केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलेगा, बल्कि नीति निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि इस अधिनियम का एकजुटता के साथ समर्थन करें। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक संसद में इस विषय पर तीन दिवसीय विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है, जिसे सभी नागरिकों को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है और अब समय आ गया है कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में भी समान भागीदारी दी जाए। प्रभारी मंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में बालिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से आग्रह किया कि इन प्रतिभाशाली छात्राओं का सम्मान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाएं अब न केवल स्वयं आय अर्जित कर रही हैं, बल्कि अन्य लोगों को रोजगार भी प्रदान कर रही हैं और विभिन्न उद्योग स्थापित कर रही हैं। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने भी अपनी बात रखी।

दोस्तों के साथ निकला था, अगली दोपहर कुएं में मिला शवः ननिहाल आए युवक की रहस्यमयी मौत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीरन थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। एक सप्ताह से ननिहाल आए युवक का शव गुरुवार दोपहर कुएं में मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान आदित्यराज सिंह (पिता दिलीप सिंह चंद्रावत), निवासी ग्राम गरनाई, थाना नाहरगढ़ (जिला मंदसौर) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आदित्यराज अपने नाना गोविंद सिंह (सेवानिवृत्त लाइनमैन) के यहां गर्मी की छुट्टियां बिताने जीरन आया हुआ था। बताया जा रहा है कि 15 अप्रैल की रात करीब 8 बजे आदित्यराज घर से दोस्तों के साथ टहलने की बात कहकर निकला था। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। जब उसका मोबाइल फोन भी बंद आने लगा, तो रात में ही उसकी तलाश शुरू कर दी गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार दोपहर बड़ा खुलासा हुआ, जब तालाब किनारे स्थित फिल्टर प्लांट के सामने एक कुएं में युवक का शव दिखाई देने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही जीरन पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त आदित्यराज के रूप में की। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय नीमच भेज दिया है।

मौत के कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। युवक कुएं में कैसे गिरा– यह हादसा है, आत्महत्या है या फिर इसके पीछे कोई और वजह है, इन सभी पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और युवक के दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

संघ शताब्दी वर्ष का बड़ा आयोजन नीमच में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित किये जा रहे बड़े कार्यक्रमों की श्रृंखला में नीमच में प्रमुखजन गोष्ठी एवं मातृ शक्ति गोष्ठी का आयोजन 20 अप्रैल को होने जा रहा है। इस अवसर पर आरएसएस के पूर्व अखिल भारतीय सरकार्यवाह श्री भैया जी जोशी मार्गदर्शन देंगे।

इस आशय की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघ चालक श्री अनिल जैन ने बताया कि शताब्दी वर्ष में संघ ने समाज की सृजन शक्ति को साथ लेकर विश्व पटल पर आदर्श प्रस्तुत करने वाला सशक्त, समर्थ, संगठित, समृद्ध भारत निर्माण करने का संकल्प लिया है। इस उद्देश्य के निमित्त समाज के प्रतिष्ठित, प्रभावशाली महानुभावों से संवाद करने के लिए नीमच में प्रमुखजन गोष्ठी और मातृ शक्ति गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। नीमच के टाउन हॉल में 20 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे से मातृ शक्ति गोष्ठी एवं संध्या 4 बजे से प्रमुखजन गोष्ठी में संघ के अ. भा. सरकार्यवाह श्री भैया जी जोशी मार्गदर्शन देंगे।

डिवाईन पब्लिक स्कूल की बालिका परिधी जैन ने जिला मेरिट में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की अग्रणीय संस्था ड़िवाईन पब्लिक हायर सेकेंड़री स्कूल सिंगोली का कक्षा-10वी और 12वीं में बोर्ड परीक्षा परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा द्य जिसमें कक्षा 10वीं में विद्यालय की होनहार बालिका परिधी जैन पिता विपिन कुमार जैन ने 97.4% अंक प्राप्त करके जिला मेरिट सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया संस्था द्वारा मेरिट सूची में शामिल होने वाले बालक-बालिकाओं को उदयपुर से दिल्ली की हवाई यात्रा प्रस्तावित है जो यात्रा अतिशीघ्र सम्पन्न होगी इसी क्रम में श्रेष्ठा जायसवाल पिता नरेन्द्र कुमार जायसवाल 94% अक्ष गाँधी पिता कमल कुमार गाँधी 93.6त्न नीतिज्ञा जैन पिता अशोक कुमार जैन 93त्न और कक्षा 12वीं में अंश मेहता पिता कैलाशचंद मेहता 90.,6% लक्ष्य जैन पिता जयकुमार जैन 88त्न सुहानी जैन पिता राजेश जैन 85.6% अक्षिता सोनी पिता रवि सोनी 83त्न वेदिक शर्मा पिता दिनेश शर्मा 81.2% जिया चंदेल पिता हंसराज चंदेल 80.4त्न अंक प्राप्त करके अपने परिवार, विद्यालय, नगर और जिलें का नाम गौरवान्वित किया है विद्यालय के संचालक निर्मल मेहता प्राचार्य सुनील नागोरी, व्यवस्थापक रामलाल धाकड़,जसराज शर्मा, मुरली धाकड़, धर्मराज धाकड़,गिरीराज सोनी,अरूणा सेन, अनिता लबाना, पल्लवी भंडारी,चित्रा सेन और समस्त विद्यालय परिवार द्वारा बालक-बालिकाओ अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाईयाँ प्रेषित की गई।

स्वयं के कल्याण के लिए जीना सीखें, समय प्रबंधन ही जीवन की सफलता का आधार-आर्यिका समर्थ श्री माताजी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसारिक मोह-माया और भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य परिवार और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को तो बखूबी निभा रहा है, लेकिन वह अपने आत्म-कल्याण के मार्ग से भटक गया है। यदि हम वास्तव में अपना कल्याण चाहते हैं, तो हमें स्वयं के लिए जीना सीखना होगा। ये प्रेरक विचार आर्यिका समर्थ श्री माताजी ने आचार्य सन्मति कुंज संत भवन नाकोडा नगर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर आर्यिका 105 सार्थक श्री माताजी भी विराजित रहे। माताजी ने कहा कि आज का मनुष्य सुबह से शाम तक सांसारिक कार्यों में व्यस्त है। उसके पास दुनिया के हर काम के लिए समय है, लेकिन धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के लिए वह समय का अभाव बताता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि वर्तमान में धार्मिक आयोजनों में सहभागिता केवल दिखावे तक सीमित रह गई है। आपने कहा कि जीवन में समय की कीमत को समझना अत्यंत आवश्यक है। विडंबना देखिए कि जब एक चिकित्सक हमारे खान-पान पर प्रतिबंध लगाता है, तो हम बिना सवाल किए उसका पालन करते हैं, लेकिन जब गुरु हमें उचित और अनुचित का भेद बताते हैं, तो हम तर्क-वितर्क करने लगते हैं।

धर्मसभा का शुभारंभ कुसुम पोरवाल द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। मुख्य अतिथियों बसंतीलाल जी, डॉ. एस. के. मेहता, बाबूलालजी, सुरेश शर्मा, विनोद सेगर, माडावत जी और अनिल जैन , मानमल जैन, अभय मादावत, अनिल जैन सेंट्रल बैंक द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। हिम्मतनगर की श्राविका मंडल द्वारा माताजी को शास्त्र भेंट किए गए। डॉ. एसएम जैन, विजेंद्र सेठी, नंदकिशोर अग्रवाल और अरविंद मेहता ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर दिगंबर जैन हायर सेकेंडरी स्कूल के शानदार बोर्ड परीक्षा परिणामों की सदन में जानकारी दी गई। जिसमें कक्षा 12वीं का परिणाम~ 95.3त्न कक्षा 10वीं का परिणाम~ 92.85त्न रहा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अजीत जैन मित्र मंडल ने आर्थिका समर्थ श्री माताजी से आगामी चातुर्मास हेतु हिम्मतनगर में विराजने की भावपूर्ण विनती की। कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र दोशी द्वारा किया गया, जबकि आभार शशि कुमार मिंडा ने व्यक्त किया। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया।

रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न कलेक्टर ने संजीवनी क्लीनिक सुचारू करने के दिए निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में रोगी कल्याण समिति की पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई एवं जिला चिकित्सालय में विद्युत पानी की व्यवस्था सुचारू करने के संबंध में चर्चा कर समिति सदस्यों द्वारा आवश्यक निर्णय लिए गये । बैठक में सीईओ जिला पंचायत वैशाली जैन, सिविल सर्जन डा एम एस सागर, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता शर्मा, वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. बी एल तापडिया, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्री रामनिवास बुधौलिया, रोगी कल्याण समिति सदस्य श्री मनोहर पोरवाल, उप संचालक जनसंपर्क श्रीमती अनुराधा गहरवाल, श्री हेमंत राहोरी,ज़िला योजना अधिकारी श्री पाटीदार, ई ई पीडब्ल्यू डी श्री चौहान,उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती संध्या शर्मा, प्रभारी सी एम एच ओ डॉ राजेश मण्डलोई, डॉ आर सी डामोर,डॉ अभिषेक अरोरा आर एम ओ, डॉ शिवम श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने एमपीईबी के अधिकारियों को जिला चिकित्सालय का विद्युत ऑडिट कर वर्तमान लोड की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोड अनुसार विद्युत उपकरणों की सुरक्षा के लिए यूपीएस/ जनरेटर की व्यवस्था करने के लिए समिति के निर्णय अनुसार कार्यवाही करने के लिए सिविल सर्जन को निर्देश दिए। जनरेटर के संचालन के लिए समिति के निर्णय अनुसार डीजल का प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए । सी एम एच ओ को संजीवनी क्लीनिक का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिक्षक एकता की मिसाल बना पीएमयूएमएस, 5 दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को प्रदान की 1 करोड़ 64 लाख की आर्थिक मदद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश स्तर पर नवनिर्मित शिक्षक संघ पीएमयूएमएस (प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ) ने शिक्षक समुदाय के बीच संवेदनशीलता, एकता और अटूट विश्वास की एक अनुपम मिसाल पेश की है। संगठन के जिला अध्यक्ष गोविन्दराम गेहलोत (माध्यमिक शिक्षक, शा. हाईस्कूल आकोदडा, जिला मन्दसौर) ने जानकारी देते हुए बताया कि संघ का मुख्य उद्देश्य असमय दिवंगत होने वाले शिक्षक-शिक्षिका साथियों के परिवारों को संबल प्रदान करना है।

इसी कड़ी में पीएमयूएमएस कर्मचारी कल्याण कोष के माध्यम से धार जिले के दो दिवंगत साथियों के परिवारों के लिए 18 मार्च 2026 से 15 अप्रैल 2026 की रात्रि 12 बजे तक चलाई गई विशेष सहयोग प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। इस मुहिम के अंतर्गत प्रदेश के पंजीकृत शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से सीधे नॉमिनी के खातों में सहयोग राशि जमा की गई। इसके तहत दिवंगत श्री महेंद्र मुवेल के परिवार को 24 लाख रुपये तथा दिवंगत श्री रेवाराम जी अलोने के परिवार को 28 लाख 78 हजार रुपये की सहायता प्रदान की गई है। संगठन के लिए यह एक अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि अब तक प्रदेश में कुल 5 दिवंगत साथियों के परिवारों को सामूहिक रूप से 1 करोड़ 64 लाख 78 हजार रुपये की बड़ी आर्थिक मदद पहुँचाई जा चुकी है, जो कर्मचारियों के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी और प्रेरणादायक सहायता मानी जा रही है। जिला अध्यक्ष गेहलोत ने इस पुनीत कार्य में संगठन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के समर्पण की सराहना की। इस पूरी प्रक्रिया में संभागीय संगठन मंत्री श्री विनोद कुमार राठौर, संभागीय सचिव बालचन्द राठौर, संभागीय सचिव फूलचंद गुर्जर, जिला प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण पाटीदार, जिला महासचिव दिनेश कुमार राठौर, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा रेणुका आचार्य, जिला प्रभारी लक्ष्मी पाटीदार, आईटी सेल प्रभारी राधेश्याम रांघोठा और उपाध्यक्ष रामप्रसाद कुमावत, अखिलेश चन्द्रावत, हरीश खिचावत, सुरेन्द्र कुमार पाटीदार, लखन पुरोहित तथा ब्लॉक अध्यक्षों में जितेन्द्र कुमार ठाकुर, अरुण पाटीदार, पंकज मण्डलोई, राजाराम जोशी एवं मुकेश कुमार राठौर सहित जिले व ब्लॉक के समस्त पदाधिकारियों ने सराहनीय सक्रियता दिखाई। यह जानकारी मीडिया प्रभारी आनन्द आंजना ने दी।

सैन समाज का भादवामाता में होगा भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेन समाज ने समाज में व्याप्त दहेज प्रथा और दिखावे की शादी पर करारा प्रहार करते हुए 28 अप्रैल 2026, मंगलवार को पाटीदार धर्मशाला भादवामाता में 31वां विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन का ऐलान किया है।

सेन समाज सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष भगवती प्रसाद (लाला) देवड़ा ने बताया कि अब तक कहीं दुर दुराज जिलों से एवं आसपास जिलों से अविवाहित जोड़ों ने इस ऐतिहासिक पहल में शामिल होने की सहमति दे दी है। जिलाध्यक्ष सुखलाल सेन तारापुर, युवा जिलाध्यक्ष चमन सेन एवं महिला जिलाध्यक्ष प्रेमलता गहलोत के नेतृत्व में पूरा जिला संगठन एकजुट होकर सम्मेलन को सफल बनाने में जुटा है। जिला युवा सचिव शिवम सेन चुकनी ने बताया कि प्रत्येक पक्ष से मात्र 27501/- रुपये सहयोग राशि ली जाएगी। स्वैच्छिक दान का भी स्वागत है। यह कदम उन परिवारों के लिए वरदान है जो आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों का विवाह धूमधाम से नहीं कर पाते।

वर-वधू को उपहार स्वरूप दी जाने वाली सामग्री~ वर वधु पक्ष को वैवाहिक कपड़े, मोड़,साफा,एक पायजेब जोड़ ,बिछुड़ी जोड, एक चांदी की अंगूठी, एक नाक का कांटा, मंगलसूत्र मोती सोने के, 21 बर्तन, पलंग, बिस्तर समिति की ओर से दिए जाएंगे।

यह सिर्फ विवाह नहीं, समाज सुधार का आंदोलन है सम्मेलन का उद्देश्य स्पष्ट है~ फिजूलखर्ची रोकना, दहेज प्रथा मिटाना और सादा जीवन, उच्च विचार का संदेश देना। संत शिरोमणि सेन जी महाराज के आदर्शों पर चलकर समाज को नई दिशा दी जा रही है। पंजीयन अंतिम चरण में, संपर्क करें~ हरिप्रसाद जी गेहलोत नीमच 9406675723, कार्यालय~ 37, दयानंद मार्ग, नीमच समस्त सेन समाज से आह्वान~ अपने विवाह योग्य बच्चों का पंजीयन तुरंत कराएं। 28 अप्रैल को भादवामाता पहुंचकर इतिहास के साक्षी बनें और इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दें।

उपरोक्त जानकारी जिला युवा सचिव शिवम सेन चुकनी द्वारा दी गई।

40 वर्षों से सड़क विहीन गांव, ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन, 15 दिन में निर्माण नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर तहसील के ग्राम रिछाबच्चा नई आबादी अंबेडकर नगर के ग्रामीणों ने भीम आर्मी के साथ आज अपनी मूलभूत समस्या को लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर पक्की सड़क निर्माण की मांग की। यह ज्ञापन भीम आर्मी जिला अध्यक्ष इंजीनियर राकेश सूर्यवंशी के नेतृत्व में सौंपा गया।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 1985 से अब तक लगभग 40 वर्षों से गांव में सड़क निर्माण नहीं हो पाया है। बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो जाती है, जहां कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आमजन का निकलना मुश्किल हो जाता है। इस कारण मरीजों को अस्पताल ले जाने में गंभीर दिक्कतें आती हैं, वहीं छात्र-छात्राओं को स्कूल और कॉलेज पहुंचने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बहुजन समाज अजा, अजजा पिछड़ा वर्ग की अधिक आबादी होने के बावजूद शासन-प्रशासन द्वारा गांव की लगातार अनदेखी की गई है। पिछले कई वर्षों में केवल आश्वासन मिले, लेकिन सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हुई। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने मांग की है कि 15 दिनों के भीतर सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समयसीमा में कार्य प्रारंभ नहीं हुआ, तो समस्त ग्रामवासी भीम आर्मी के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस दौरान भीम आर्मी जिला अध्यक्ष इंजी. राकेश सूर्यवंशी, जिला उपाध्यक्ष श्याम सूर्यवंशी, अवधेश जाटव, महेश, विजय कुमार, समरथ, शंभूलाल उदयराम भेरूलाल आशुतोष हरिओम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के तीन प्रकरणों में 4 लाख से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज उत्खन एवं परिवहन के तीन प्रकरणों में कुल 4 लाख 58 हजार 750 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध खनिज परिहवनकर्ता वाहन मालिक मदनलाल पिता निर्भय धाकड निवासी रूपारेल बस्ती जावद तहसील जावद जिला नीमच द्वारा मिट्टी का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 11250 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 2 लाख रूपये इस प्रकार कुल 2 लाख 11 हजार 250 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। खनि अधिकारी को निर्देशित किया है, कि अधिरोपित जुर्माने की राशि 211250 रूपए चालान से 15 दिवस के अन्दर शासकीय कोष में जमा होने पर जप्त शुदा वाहन डम्पर पंजीयन क्र.आर.जे.09जी.बी.3961 को मुक्त करने के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की जाए। इसी तरह अनावेदक अवैध उत्खननकर्ता वाहन मालिक मनोहर लाल पिता सुखलाल धाकड़ निवासी अचलावदा तहसील जावद, जिला नीमच द्वारा मिट्टी का अवैध उत्खनन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 45 हजार रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 45 हजार रूपये इस प्रकार कुल 90 हजार रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। इसी तरह अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक फुलचंद पिता रघुनाथ अहीर निवासी बावल तहसील जावद, जिला नीमच द्वारा मिट्टी का अवैध उत्खनन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 78 हजार 750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 78 हजार 750 रूपये इस प्रकार कुल 157500 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

जिले में कक्षा एक से 12वीं तक का कोई भी विद्यार्थी शाला में प्रवेश से वंचित ना रहे-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को जिला शिक्षा केंद्र और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक में कक्षा 5वीं से 12वीं तक के परीक्षा परिणामों की समीक्षा की। उन्होने परीक्षा परिणामों में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर, अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, कि डी.ई.ओ., डी.पी.सी. शालावार, कक्षावार परीक्षा परिणामों का आंकलन, समीक्षा कर अपेक्षाकृत काफी कम परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले संस्था प्रमुखों और विषय शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने शालाओं में प्रवेश की समीक्षा में निर्देश दिए,कि सभी शालाओं में कक्षा एक से 12वीं तक के प्रवेश का आंकलन, मेपिंग करवाकर सुनिश्चित करें, कि कोई भी शाला में प्रवेश योग्य विद्यार्थी स्कूल में प्रवेश से वंचित ना रहे। कलेक्टर ने सभी संस्था प्रमुखों, डी.ई.ओ., डी.पी.सी., ए.सी.सी., बी.ई.ओ., बी.आर.सी., सी.एस.सी., बी.एम.सी. को शालाओं में शतप्रतिशत छात्रों का नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पाठ्य पुस्तक वितरण कार्य की समीक्षा में निर्देश दिए, कि तीनों विकासखण्डों के 10-10 स्कूलों में पाठ्य पुस्तके वितरण कार्य का सत्यापन करवाकर रिर्पोट प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने जिला शिक्षा केंद्र एवं जिला शिक्षा कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारियों की परफार्मेन्स का आंकलन कर रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होने सभी अधिकारियों को शालाओं का नियमित निरीक्षण एवं कक्षाओं में अध्यापन कार्य का जायजा लेने तथा अध्यापन कार्य की गुणवत्ता में सुधार के निर्देश भी दिए है।

कलेक्टर ने शालाओं में सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों को नियमित उपस्थिति बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुजानमल मांगरिया एवं डीपीसी श्री दिलीप व्यास भी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

केवल बड़ा बाजार बनना पर्याप्त नहीं

दुनिया इस समय एक अजीब दौर से गुजर रही है। कहीं युद्ध चल रहे हैं, कहीं युद्ध की तैयारी है और कहीं बिना युद्ध के भी सब कुछ प्रभावित हो रहा है। पहले ऐसा माना जाता था कि अगर बाजार खुला रहेगा तो अर्थव्यवस्था चलती रहेगी। हालांकि अब यह भरोसा कमजोर पड़ रहा है, क्योंकि आज का संकट केवल व्यापार का नहीं है, बल्कि सप्लाई, सुरक्षा और भरोसे का भी है। ऐसे समय में भारत को यह समझना होगा कि वह सिर्फ एक बड़ा बाजार बनकर आगे नहीं बढ़ सकता। तब तो और नहीं जब बाजार एक ताकत के कब्जे में रहे। इससे अर्थव्यवस्था कभी भी डगमगा सकती है। भारत केवल एक बड़ा उपभोक्ता देश बनता जा रहा है। हमारे पास युवा आबादी है, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था है और दुनिया की बड़ी कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, लेकिन क्या केवल उपभोक्ता बनकर कोई देश मजबूत बन सकता है? अगर उत्पादन, तकनीक, ऊर्जा और अन्य जरूरी संसाधनों के मामले में हमारी बाहरी निर्भरता बनी रहेगी तो थोड़ी सी वैश्विक हलचल भी हमें हिला सकती है और इसका उदाहरण आज हमारे सामने है।

युद्धों का सबसे पहले असर ऊर्जा पर पड़ता है। तेल और गैस की कीमतें बढ़ती हैं। सप्लाई में रुकावट आती है। इसका प्रभाव आम आदमी की जेब पर पड़ता है, लेकिन संकट यहीं खत्म नहीं होता। एक और बड़ा खतरा है डिजिटल ढांचे का। आज हमारी जिंदगी का बड़ा हिस्सा इंटरनेट, डाटा और क्लाउड पर टिका है। बैंकिंग से लेकर सरकारी सेवाएं, पढ़ाई से लेकर व्यापार सब कुछ डिजिटल हो चुका है। ऐसे में अगर युद्ध के कारण डाटा सेंटर प्रभावित होते हैं, इंटरनेट के रास्ते बाधित होते हैं या साइबर हमले बढ़ते हैं, तो पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है। स्वास्थ्य सेवाएं भी इससे अछूती नहीं हैं। हम अक्सर सोचते हैं कि अस्पताल केवल डाक्टर और दवाओं से चलते हैं, लेकिन सच यह है कि वे वैश्विक सप्लाई चेन पर निर्भर होते हैं।

उदाहरण के लिए एमआरआइ मशीन में इस्तेमाल होने वाली हीलियम गैस एक ऐसी विशेष गैस है, जो मशीन को सही तापमान पर काम करने में मदद करती है। भारत अपनी हीलियम जरूरत का बड़ा हिस्सा कतर से आयात करता है। यह देश दुनिया के बड़े हीलियम उत्पादकों में से एक है। अगर युद्ध के कारण वहां से उसकी सप्लाई बाधित होती है तो इसका असर सीधे हमारे अस्पतालों पर पड़ेगा। जांच में देरी के साथ इलाज महंगा हो सकता है और कई जगहों पर सेवाएं बाधित हो सकती हैं। इसका मतलब यह है कि युद्ध का असर आम नागरिक के इलाज तक पर पड़ता है। यही वह स्थिति है जो हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि विकास का मतलब केवल बाजार नहीं हो सकता।

बाजार जरूरी है, पर वह सब कुछ नहीं कर सकता। बाजार वहां जाता है, जहां फायदा होता है, लेकिन देश को उन जगहों पर भी काम करना पड़ता है, जहां फायदा तुरंत नहीं दिखता, मगर उन क्षेत्रों की महत्ता कम नहीं। जैसे बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और रिसर्च। अगर इन क्षेत्रों को पूरी तरह बाजार के भरोसे छोड़ दिया जाए, तो असमानता बढ़ेगी और देश कमजोर पड़ेगा। इसी कारण जवाहरलाल नेहरू ने समझा था कि एक नए देश को खुद को मजबूत बनाने के लिए सरकार की भूमिका जरूरी है। उन्होंने उद्योग, बिजली, वैज्ञानिक संस्थान और सार्वजनिक क्षेत्र पर जोर दिया ताकि देश अपने पैरों पर खड़ा हो सके। उनका उद्देश्य केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना था, जो संकट के समय भी टिक सके।

बाहरी दुनिया के साथ तालमेल की कड़ी मानी जाने वाली विदेश नीति में भी आज असंतुलन दिखता है। एक ओर हम स्वतंत्र निर्णय की बात करते हैं, लेकिन कई बार व्यवहार में झुकाव अधिक स्पष्ट दिखता है। पश्चिमी देशों के साथ बढ़ती नजदीकी जरूरी हो सकती है, पर अगर संतुलन बिगड़ता है, तो हमारे पारंपरिक संबंध कमजोर हो सकते हैं। विदेश नीति की ताकत इसी में होती है कि वह सभी पक्षों से संबंध बनाए रखे। असंतुलन यह भी है कि विदेश नीति और आर्थिक नीति के बीच हमेशा स्पष्ट तालमेल नहीं दिखता। हम वैश्विक मंचों पर स्वतंत्र रुख की बात करते हैं, लेकिन व्यापार और तकनीक के मामलों में कुछ खास देशों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। यह स्थिति भविष्य में जोखिम पैदा कर सकती है, खासकर तब जब दुनिया पहले से ही अनिश्चितता से भरी हो। एक मजबूत विदेश नीति वही होती है, जो हर परिस्थिति में देश के हितों की रक्षा करे और किसी एक दिशा पर अत्यधिक निर्भरता से बचे। आज दुनिया कई खेमों में बंटी हुई है। बड़े देश अपने हिसाब से फैसले ले रहे हैं। ऐसे में भारत को सावधानी से चलना होगा। हमें सभी से संबंध रखने हैं, लेकिन किसी एक पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना है। यह संतुलन हमारी ताकत हो सकता है। आज आत्मनिर्भरता का मतलब केवल कारखाने लगाना नहीं है। इसका अर्थ है कि हम जरूरी चीजों के लिए पूरी तरह विदेश पर निर्भर न रहें। हमें ऊर्जा के अलग-अलग स्रोत चाहिए, डिजिटल ढांचा अपने नियंत्रण में चाहिए, जरूरी दवाएं और मेडिकल उपकरण देश में बनें। हमें तकनीक में भी क्षमताएं बढ़ानी होंगी। यह सब बाजार अपने आप नहीं करेगा। इसके लिए नीति, निवेश और योजना की जरूरत होती है। इस राह में एक चुनौती यह भी है कि विकास की चाह में अपनी सुरक्षा और स्वतंत्रता को कमजोर न होने दें। अगर हम केवल बाजार पर भरोसा करेंगे, तो शायद कुछ समय के लिए तेजी दिखेगी, लेकिन लंबे समय में जोखिम बढ़ जाएगा।

जनसंख्या बनाम विकासः लोकसभा पुनर्गठन की असली चुनौती

भारत की संसदीय व्यवस्था इस समय एक अहम मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया निर्णय आने वाले दशकों की राजनीति, नीतियों और प्रतिनिधित्व की दिशा तय करेगा। लोकसभा की सीटों को वर्तमान 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 (815 राज्य व 35 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए) करने का प्रस्ताव केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के गणित और भूगोल–दोनों को बदलने वाला कदम है। सवाल सीधा है, पर इसका उत्तर जटिल–क्या इससे आम मतदाता की ताकत वास्तव में बढ़ेगी या बड़े राज्यों का राजनीतिक प्रभाव और गहरा होगा? यही वजह है कि यह बहस अब संसद तक सीमित नहीं रही, बल्कि देश के हर उस नागरिक तक पहुंच गई है, जो चाहता है कि उसका वोट सिर्फ गिना ही नहीं, बल्कि असर भी दिखाए।

सरकार का तर्क सीधा और ठोस है कि बढ़ती आबादी के साथ प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाना अब अनिवार्य हो चुका है। मौजूदा स्थिति में एक सांसद पर अत्यधिक जनसंख्या का बोझ है, जिससे स्थानीय समस्याएं अक्सर राष्ट्रीय बहस में दब जाती हैं। प्रस्तावित योजना के तहत सीटों को लगभग 50 प्रतिशत बढ़ाकर अधिकतम 850 करने से प्रत्येक सांसद कम लोगों का प्रतिनिधित्व करेगा, जिससे जनता और प्रतिनिधि के बीच दूरी घटेगी, संवाद सशक्त होगा और जवाबदेही बढ़ेगी। इससे नीतियों का क्रियान्वयन भी अधिक प्रभावी होने की उम्मीद है। साथ ही 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को लागू करने के लिए यह विस्तार एक ठोस आधार के रूप में देखा जा रहा है, जो राजनीति में लैंगिक संतुलन को मजबूत कर सकता है।

इस प्रस्ताव का एक ऐसा पक्ष भी है, जो गहरी चिंता पैदा करता है और जिसे नजरअंदाज करना आसान नहीं है। दक्षिण भारत के राज्यों ने लंबे समय से जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा और स्वास्थ्य में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में यदि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर हुआ, तो अधिक आबादी वाले राज्यों को ज्यादा सीटें मिलेंगी। इसका असर यह होगा कि दक्षिण के राज्यों का संसद में सापेक्षिक प्रभाव घट सकता है। यह स्थिति एक असंतुलन पैदा करती है, जहां विकास और बेहतर शासन का परिणाम राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी बनकर सामने आता है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि किसी राज्य की मौजूदा सीटें कम नहीं होंगी, फिर भी दक्षिण के राज्यों को अपने प्रभाव में कमी की आशंका है। यदि इसे आम नागरिक की नजर से परखा जाए, तो इस बदलाव के भीतर कई ठोस संभावनाएं दिखाई देती हैं। सीटों में वृद्धि का मतलब है कि संसद में अधिक विविधता आएगी और अलग-अलग क्षेत्रों की समस्याएं पहले से ज्यादा प्रभावी ढंग से उठ सकेंगी। ग्रामीण इलाकों, छोटे शहरों और पिछड़े वर्गों को अपनी बात रखने के लिए व्यापक मंच मिलेगा। महिला आरक्षण के जरिए राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिल सकती है। यह बदलाव उन वर्गों के लिए अवसर का द्वार खोल सकता है, जो अब तक निर्णय प्रक्रिया में सीमित दायरे में ही रह गए थे।

असल चिंता यहीं से शुरू होती है–क्या केवल सीटों की संख्या बढ़ा देने से प्रतिनिधित्व वास्तव में सशक्त हो जाएगा? यह मान लेना एक सरलीकृत दृष्टि होगी। प्रतिनिधित्व सिर्फ आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि संतुलन और न्यायपूर्ण भागीदारी का भी प्रश्न है। जब किसी एक क्षेत्र का प्रभाव असामान्य रूप से बढ़ता है, तो नीति निर्माण का झुकाव भी उसी दिशा में होने लगता है। इसका सीधा असर संसाधनों के वितरण, बजट आवंटन और विकास योजनाओं पर पड़ सकता है, जिससे क्षेत्रीय असमानताएं और गहरी हो सकती हैं। दक्षिण के राज्यों की मुख्य चिंता यही है कि उनका आर्थिक योगदान और सामाजिक उपलब्धियां राजनीतिक फैसलों में अपेक्षित महत्व नहीं पा सकेंगी।

यहीं से एक रचनात्मक और संतुलित समाधान की मांग उभरती है, जहां विपक्ष और कई क्षेत्रीय दल इस प्रस्ताव को केवल संख्या नहीं, बल्कि व्यापक न्याय के दृष्टिकोण से देखने की बात करते हैं। उनका मानना है कि परिसीमन केवल जनसंख्या के आधार पर तय नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें विकास के ठोस मानकों को भी शामिल करना जरूरी है। साक्षरता, स्वास्थ्य सेवाएं, प्रति व्यक्ति आय और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रयासों को प्रतिनिधित्व निर्धारण में उचित महत्व मिलना चाहिए। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि लोकतंत्र केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि गुणवत्ता, जवाबदेही और संतुलित भागीदारी की एक मजबूत व्यवस्था भी है।

निर्णायक दौर में नीतियों की असली कसौटी सामने आती है और यह विमर्श भी उसी पर खरा उतरने की मांग करता है, जहाँ स्थायी व न्यायपूर्ण समाधान संतुलन में निहित है। जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है, लेकिन संघीय ढांचे और राष्ट्रीय एकता के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। यदि परिसीमन में दोनों को समान महत्व मिला, तो यह बदलाव लोकतंत्र को अधिक सुदृढ़ और समावेशी बना सकता है, अन्यथा असंतुलन बढ़ सकता है। उनका मानना है कि परिसीमन केवल जनसंख्या पर आधारित न होकर आर्थिक योगदान, साक्षरता, स्वास्थ्य, प्रति व्यक्ति आय और जनसंख्या नियंत्रण जैसे मानकों को भी महत्व दे, ताकि विकासशील राज्यों की प्रगति को उचित सम्मान मिल सके।

अब निर्णायक सवाल यह है कि अधिकतम 850 सीटों वाली लोकसभा देश को संतुलित प्रतिनिधित्व की ओर ले जाएगी या असंतुलन की ओर। यह प्रस्ताव न पूरी तरह लाभकारी है, न हानिकारक; इसका परिणाम इसके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। यदि सभी राज्यों की चिंताओं को स्थान देकर प्रतिनिधित्व को संतुलित ढंग से पुनर्गठित किया गया, तो यह आम नागरिक के वोट को वास्तविक ताकत दे सकता है। लेकिन यदि यह केवल जनसंख्या के गणित तक सीमित रहा, तो बड़े राज्यों का वर्चस्व बढ़ने का खतरा रहेगा। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि हर नागरिक महसूस करे कि उसकी आवाज का समान महत्व है और उसका वोट केवल संख्या नहीं, बल्कि प्रभाव का प्रतीक है।

–प्रो. आरके जैन

डोनाल्ड ट्रंप अनिश्चित और अप्रत्याशित राजनेता ।

अनिश्चित परिणामों से भरी ट्रंप के साथ वैश्विक देशों की कूटनीति।

डोनाल्ड ट्रंप का राजनीतिक करियर जितना प्रभावशाली रहा है, उतना ही विवादों और विरोधाभासों से घिरा हुआ भी रहा है, विशेषकर उनके कार्यकाल (2017ङ्क2021) के दौरान और वैश्विक तनावों के संदर्भ में उनके बयानों ने बार-बार यह संकेत दिया कि उनकी नीति और वक्तव्य अक्सर एक-दूसरे के विपरीत दिशा में चलते दिखाई देते हैं, ट्रंप ने सत्ता संभालते ही अमेरिका पहले की नीति को प्राथमिकता दी, जिसका अर्थ था कि अमेरिका अपने हितों को सर्वोपरि रखेगा, इसी नीति के तहत उन्होंने ईरान न्यूक्लियर डील से 2018 में अमेरिका को अलग कर लिया, जबकि यह समझौता ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाता था।इस फैसले के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया और ट्रंप ने एक ओर कहा कि वे युद्ध नहीं चाहते, वहीं दूसरी ओर उनके सैन्य फैसले इस दिशा में बढ़ते दिखे, यही विरोधाभास उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी पहचान बन गया, उत्तर कोरिया के संदर्भ में भी उनका रवैया इसी प्रकार का रहा, उन्होंने पहले किम जोंग-उन को लिटिल रॉकेट मैन बोल कर धमकाया, फिर अचानक शांति वार्ता शुरू कर दी और 2018 में सिंगापुर शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक मुलाकात की, हालांकि इस कूटनीतिक पहल से कोई ठोस परिणाम नहीं निकला, लेकिन उनके बयान लगातार बदलते रहे, कभी वे युद्ध की चेतावनी देते तो कभी दोस्ती की बात करते, इसी तरह चिंता साथ उनका व्यापार युद्ध भी उनके बयानों का केंद्र रहा, उन्होंने चीन पर अनुचित व्यापारिक प्रथाओं का आरोप लगाते हुए भारी टैरिफ लगाए, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई, वहीं दूसरी ओर वे कई बार शी जीन पिंग की प्रशंसा करते नजर आए, यह आदत उनकी नेतृत्व शैली का स्थायी तत्व बन गया, सिरियन सिविल वॉर के दौरान भी ट्रंप ने पहले अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की, फिर अचानक सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया, 2017 और 2018 में उन्होंने सीरिया पर मिसाइल हमले किए, जबकि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार में अमेरिका को अंतहीन युद्धों।से बाहर निकालने का वादा किया था। अफगानिस्तान में भी उन्होंने तालिबान के साथ वार्ता शुरू की, लेकिन कई बार अपने ही फैसलों से पीछे हटते दिखाई दिए, इन सबके बीच उनकी बयानबाजी ने वैश्विक मंच पर असमंजस की स्थिति पैदा की, ट्रंप के वक्तव्यों की एक विशेषता यह रही कि वे अक्सर सोशल मीडिया, विशेषकर ट्विटर के माध्यम से अचानक और बिना कूटनीतिक भाषा के अपनी बात रखते थे, जिससे कई बार अंतरराष्ट्रीय संबंधों में तनाव और बढ़ जाता था, उदाहरण के तौर पर उन्होंने ईरान को फायर एंड फ्यूरी जैसी चेतावनी दी, वहीं कुछ ही समय बाद वार्ता की इच्छा भी जताई, यही तर्ज में रूस के संदर्भ में भी दिखाई दी, जहां उन्होंने पुतिन साथ अपने संबंधों को सकारात्मक बताया, लेकिन अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्टों में रूस को खतरा बताया गया, इस विरोधाभास ने अमेरिकी राजनीति में भी गहरी बहस को जन्म

झोली वाले बाबाओं से सावधानी ज़रूरी

उत्तर भारत के गाँवों में गेहूँ की कटाई केवल एक मौसम नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव होती है। यह वह समय है जब किसान की महीनों की तपस्या, धूप में जले हाथ, सर्द रातों की पहरेदारी और अनिश्चित मौसम के साथ लड़ी गई जंग अंततः रंग लाती है। खेतों में झूमती सुनहरी बालियाँ किसी साधारण फसल का दृश्य नहीं, बल्कि आशा, संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक होती हैं। जब यही फसल कटकर घर के आँगन में ढेर बनाती है, तो वह केवल अनाज नहीं होती–वह पूरे साल की सुरक्षा होती है, बच्चों की पढ़ाई का आधार, बीमारियों में सहारा, और भविष्य की अनिश्चितताओं से लड़ने की ताकत होती है। घर की महिलाएँ उस अनाज को सहेजती हैं, साफ करती हैं, सुखाती हैं और बड़े जतन से उसे भंडार में रखती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि यही दाने आने वाले समय में घर की नींव को मजबूत बनाए रखेंगे।

लेकिन इस सुनहरे और संतोष भरे दृश्य के साथ ही एक ऐसी परछाई भी गाँव की गलियों में उतरने लगती है, जो धीरे-धीरे इस खुशी को कम करने लगती है। यह परछाई है झोली लेकर घूमने वाले तथाकथित बाबाओं और मोड़ों की, जो इसी मौसम का इंतजार करते हैं। जैसे ही अनाज घरों में आता है, ये लोग अचानक गाँवों में दिखाई देने लगते हैं। उनके वस्त्र, उनका रूप और उनकी वाणी सब कुछ इस तरह से रचा गया होता है कि वे श्रद्धा के पात्र प्रतीत हों। माथे पर तिलक, सिर पर पटका या टोपी, रंग-बिरंगे कपड़े और हाथ में एक झोली–यह सब मिलकर एक ऐसा रूप तैयार करते हैं, जिसे देखकर सामान्य ग्रामीण सहज ही प्रभावित हो जाता है। वे घर-घर जाकर दरवाजे पर खड़े होते हैं और मीठे शब्दों में आशीर्वाद देते हैं–÷भगवान भला करेगा÷, ÷माता रानी कृपा बनाए रखे÷–और बदले में कुछ अनाज या पैसे की अपेक्षा रखते हैं।

गाँवों में दान और सेवा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है, जो आपसी सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती है। खासकर महिलाएँ इस परंपरा को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे घर की दहलीज पर खड़ी होकर आने-जाने वालों का स्वागत करती हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान देती हैं। उनके लिए यह केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आस्था का हिस्सा होता है। लेकिन यही आस्था कई बार उनकी कमजोरी बन जाती है, जब कुछ लोग इसका लाभ उठाने लगते हैं।

एक घर से दी गई एक मुट्ठी गेहूँ शायद बहुत छोटी बात लगती है। देने वाले को लगता है कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन यही प्रक्रिया जब पूरे गाँव में दोहराई जाती है, तो यह छोटी-छोटी मुट्ठियाँ मिलकर एक बड़े ढेर में बदल जाती हैं। दिन भर में सैकड़ों घरों से इकट्ठा किया गया अनाज शाम तक एक बड़ी मात्रा में पहुँच जाता है। इसके बाद यह अनाज अक्सर बाजार में बेच दिया जाता है, और उससे प्राप्त धन का उपयोग जरूरी जरूरतों के बजाय नशे, जुए या अन्य अनुचित गतिविधियों में होने की शिकायतें सामने आती हैं। इस प्रकार, जो अनाज किसान ने अपने खून-पसीने से उगाया था, वह धीरे-धीरे ऐसे हाथों में चला जाता है जहाँ उसका सम्मान नहीं होता।

यह केवल आर्थिक नुकसान की बात नहीं है, बल्कि यह विश्वास के टूटने की कहानी भी है। जब कोई व्यक्ति धर्म और आस्था का सहारा लेकर किसी की मेहनत का लाभ उठाता है, तो वह केवल संसाधनों की चोरी नहीं करता, बल्कि सामाजिक मूल्यों को भी कमजोर करता है। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति तब होती है जब कुछ लोग दान न देने पर डराने-धमकाने का सहारा लेते हैं। ÷अगर दान नहीं दिया तो अनिष्ट होगा÷, ÷घर में अशांति आ जाएगी÷–ऐसे शब्द केवल अंधविश्वास को बढ़ावा नहीं देते, बल्कि लोगों के मन में अनावश्यक भय भी पैदा करते हैं। यह भय खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को प्रभावित करता है, जो पहले से ही धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़े होते हैं।

हालाँकि, इस पूरी तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो वास्तव में जरूरतमंद हैं–बुजुर्ग, विकलांग या ऐसे व्यक्ति जिनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं है। उनके लिए भिक्षा माँगना कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी होती है। उनके चेहरे पर बनावटीपन नहीं, बल्कि संघर्ष और थकान की सच्चाई झलकती है। इसलिए हर झोली लेकर आने वाले व्यक्ति को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है जहाँ विवेक और संवेदनशीलता दोनों की आवश्यकता होती है।

समस्या का समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि समझदारी में छिपा है। सबसे पहले, जागरूकता आवश्यक है। परिवार के सभी सदस्यों को यह समझाना जरूरी है कि दान केवल भावना के आधार पर नहीं, बल्कि सोच-समझकर किया जाना चाहिए। खासकर महिलाओं को यह सिखाना जरूरी है कि वे किसी भी प्रकार के डर या दबाव में आकर निर्णय न लें। यदि कोई व्यक्ति जबरदस्ती करता है या डराने की कोशिश करता है, तो उसका विरोध करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर पड़ोसियों या पंचायत की सहायता लेनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है दान की दिशा को सही करना। यदि किसी के मन में देने की भावना है, तो उसे उन लोगों तक पहुँचाना चाहिए जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। गाँव में ऐसे कई परिवार होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिनकी मदद से उनका जीवन बेहतर हो सकता है। विधवाएँ, बुजुर्ग, अनाथ बच्चे या शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े जरूरतमंद लोग–ये वे स्थान हैं जहाँ दान का वास्तविक प्रभाव पड़ता है। इससे न केवल संसाधनों का सही उपयोग होता है, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और विश्वास भी मजबूत होता है।

तीसरा, सामूहिक निर्णय की शक्ति को समझना जरूरी है। यदि पूरा गाँव मिलकर यह तय कर ले कि घर-घर घूमकर अनाज देने की परंपरा को सीमित किया जाएगा, तो इस समस्या का समाधान अपने आप निकल सकता है। अकेले व्यक्ति के लिए मना करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन जब पूरा समुदाय एक साथ खड़ा हो, तो स्थिति बदल जाती है। सामूहिक जागरूकता और एकजुटता ही ऐसे शोषण के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है।

अंततः यह मुद्दा केवल अनाज का नहीं है, बल्कि उस सम्मान का है जो किसान अपनी मेहनत से अर्जित करता है। खेत में बहाया गया पसीना केवल पानी नहीं, बल्कि उसके जीवन का एक हिस्सा होता है। उस पसीने से उगा हर दाना अनमोल होता है और उसका सम्मान करना हर समाज का कर्तव्य है। उसे किसी भी प्रकार के छल, दबाव या अंधविश्वास के कारण व्यर्थ जाने देना न केवल आर्थिक हानि है, बल्कि आत्मसम्मान का भी नुकसान है।

आस्था हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन आस्था का अर्थ अंधविश्वास नहीं होता। सच्ची आस्था वही है जो विवेक के साथ चलती है, जो सही और गलत के बीच अंतर कर सके। जब आस्था के नाम पर कोई हमारी मेहनत का शोषण करने लगे, तो उसे पहचानना और उससे बचना ही सच्ची समझदारी है।

इसलिए समय की मांग है कि हम अपनी परंपराओं का सम्मान करें, लेकिन आँख बंद करके नहीं। हमें अपने समाज, अपने संसाधनों और अपनी मेहनत की रक्षा के लिए जागरूक और सतर्क रहना होगा। क्योंकि अंत में, वही समाज आगे बढ़ता है जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, लेकिन बदलते समय के साथ अपनी सोच को भी विकसित करता है।

और जब यह समझ हमारे भीतर विकसित हो जाएगी, तब शायद गेहूँ की यह सुनहरी फसल केवल खेतों में ही नहीं, बल्कि हमारे विचारों में भी लहलहाएगी–सम्मान, जागरूकता और विवेक के साथ।

–डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय संस्कृति में दृढ़ विश्वास सहजयोग का आधार है

परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग की संस्थापना के प्रारंभ से ही सहजयोगियों को निर्देशित किया है, कि सहजयोग का मूल आधार सनातन भारतीय संस्कृति ही है। जो भी सहज योग को अपनाता है उसकी उत्क्रांति तभी संभव है, जब वह इस संस्कृति के लिए अपने मन में दृढ़ विश्वास व सम्मान जागृत कर लेता है। परंतु श्री माताजी ने स्वयं ही हमें इस बात के लिए भी सचेत किया है, कि प्रत्येक सभ्यताओं के समान हमारे यहां भी धर्म के मूल तत्व में अनेक कुरीतियां, अंधविश्वास तथा बाह्य आडंबर घुल-मिल गए हैं। शुद्ध ज्ञान के अभाव में हम इन आडंबरों तथा अंधविश्वास को ही धर्म समझने लगते हैं। शुद्ध ज्ञान की प्राप्ति कुंडलिनी जागरण के पश्चात आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति को सहज ही हो जाती है। भारतीय संस्कृति के अनेक प्रमुख मूल्यों व पहलुओं में से एक है दानधर्म। भारतीयों को इस धर्म के बारे में कुछ भी अधिक कहने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हमारे यहां दान कर्म हमारे यहां की प्रतिचर्या का अभिन्न अंग है। गाय को प्रथम ग्रास से लेकर श्वान को दिए जाने वाले अंतिम ग्रास तक तथा समाज के आर्थिक व सामाजिक रूप से पिछड़े हुए वर्ग को त्यौहारों-पर्वों के अवसर पर प्रेम पूर्वक भेंट किए जाने वाले मिष्ठान, अन्न, वस्त्रादि हमारी ग्रामीण अंचल की विशेषता रही है। हमारा इतिहास राजा हरिश्चंद्र, राजा शिवि, महर्षि दधीचि, दानवीर कर्ण जैसे सैकड़ों दानवीरों से समृद्ध हैं। भारतवर्ष में राजाओं के दरबार सदैव ही कलाकारों, विद्वानों, ब्राह्मणों आदि की आश्रम स्थली हुआ करते थे। श्री माताजी ने भी अपनी अमृतवाणी में हमें मार्गदर्शित किया है कि, आशीर्वाद के रूप में जो धन मनुष्य को प्राप्त होता है वह उदारता पूर्वक सृजनात्मक कलाकारों, लेखकों, कवियों की कला तथा जरूरतमंद लोगों की वास्तविक मदद कर आनंद लेने के लिए होता है।

श्री माताजी के आख्यान के अनुसार, सोचना चाहिए पैसा जो है परमात्मा ने हमारे लिए दान के लिए दिया है। हम बीच में एक माध्यम बने खड़े हुए हैं..... इसका जो शुभ कर्म हो सकता है वह करना है और इससे जो भी लोगों की मदद हो सकती है वह करना चाहिए और अच्छे मार्ग में सन्मार्ग में रहना चाहिए।

व्यक्तिगत उन्नति के साथ साथ सामूहिकता सहजयोग की विशेषता है। अतः संपूर्ण विश्व हमारा कर्मक्षेत्र होना चाहिए तथा उदारमन से हमें प्रत्येक जरूरतमंद की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए।

समानता का जयघोष है महिला आरक्षण

भारतीय संस्कृति में नारी को पूजनीय और शक्तिस्वरूपा कहा गया है। 'नृ' धातु से व्युत्पन्न नारी शब्द का अर्थ ही है नेतृत्व करने वाली। प्राचीन भारत में लोपामुद्रा, मैत्रेयी और गार्गी, अपाला, मुग्द्लानी जैसी अनेक नारियों ने तत्कालीन समाज, राजनीति तथा दर्शन को नई दिशा प्रदान करने में अपनी भूमिका निभाई। स्वाधीनता आंदोलन में भी हमारी नारी शक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दुर्भाग्य से स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक नेतृत्व के स्तर पर महिलाओं का स्थान गौण होता गया। कई दलों ने इस समस्या को स्वीकार तो जरूर किया, लेकिन वे इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करके देश की नारियों को वह स्थान दिलाया, जिसकी वे हकदार हैं। अब बारी इसके क्रियान्वयन की है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय की अवधारणा समानता की नींव पर टिकी होती है। यदि महिला और पुरुष के राजनीतिक प्रतिनिधित्व में असमानता होगी तो वह व्यवस्था सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक नहीं कहलाएगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम राजनीतिक समानता का जयघोष है। इससे भारतीय नारी को नीति निर्धारण के सर्वोच्च मंचों पर न्यायसंगत स्थान मिलेगा। इससे लोकतंत्र को व्यापक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। इस अधिनियम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि देखें तो इसका सफर 30 वर्षों से भी ज्यादा लंबा रहा। अनेक दलों के घोषणापत्रों का अंग होते हुए भी यह मुद्दा हाशिए पर ही रहा। एक समय तो सपा और राजद जैसे दलों ने इसका विरोध भी किया।

मोदी सरकार ने 2023 में सभी दलों को महिला आरक्षण के लिए राजी कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (106वां संवैधानिक संशोधन) पारित कर लोकसभा तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान किया। इसमें एससी-एसटी वर्गों की महिलाओं के लिए भी एक तिहाई सीटें आरक्षित होंगी। निःसंदेह पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं, पर नीति निर्माण की शीर्ष प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका लगभग नगण्य है। वर्तमान में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 15 प्रतिशत से भी कम है। इस अधिनियम से लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 850 हो जाएंगी। इसी तरह विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ेंगी। इससे नीति-निर्माण के स्तर पर महिलाओं की आवाज सशक्त होगी।

राजनीतिक प्रक्रिया में नारियों के आगमन से संवेदनशीलता, धैर्य तथा करुणा जैसे मूल्यों का समावेश होता है। भारतीय स्त्री जैसे समर्पण के साथ अपने परिवार का भरण-पोषण करती है, ठीक उसी प्रकार एक महिला विधायक या सांसद अपने क्षेत्र की प्राथमिक समस्याओं को सूक्ष्मता से समझ कर उसका निपटान कर सकती है। समाजविज्ञानी अध्ययनों के अनुसार जब सत्ता में महिलाओं की भागीदारी होती है तो सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे शिक्षा, जन स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल आपूर्ति आदि पर अधिक निवेश होता है।

मोदी सरकार की एक विशेषता जो महिलाओं को आकर्षित करती है, वह है महिला सशक्तीकरण के लिए पूर्ण प्रयास। समाज के वंचित वर्गों की महिलाओं को मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में कई योजनाएं चल रही हैं। पीएम आवास, मुद्रा, उज्ज्वला जैसी अनेक योजनाओं से करोड़ों महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। महिलाओं के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को नारी शक्ति वंदन अधिनियम पूर्णता प्रदान करता है। यह अधिनियम महिलाओं को 'वोट बैंक' से ऊपर उठाकर 'शक्ति केंद्र' के रूप में स्थापित करेगा। महिलाओं को विधायी शक्ति मिलने से उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों, संपत्ति के अधिकारों और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे विषयों पर अधिक प्रभावी कानून बनाए जाने की संभावना बढ़ेगी। जब महिलाएं नीति-निर्धारक बनेंगी, तो वे महिला उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाली नीतियों को और सशक्त तरीके से लागू करने का प्रयास करेंगी। आधी आबादी की आर्थिक भागीदारी से भारतीय अर्थव्यवस्था की भी रफ्तार बढ़ सकती है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक विधायी सुधार नहीं, बल्कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने वाला मील का पत्थर भी है। यह जरूरी है कि इस अधिनियम को यथाशीघ्र लागू किया जाए, क्योंकि महिलाएं अपनी राजनीतिक भागीदारी के लिए लगभग 30 वर्षों से इंतजार कर रही हैं।

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने हेतु यह आवश्यक था कि जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया पूर्ण हो, पर जनगणना में देरी के कारण परिसीमन में समय लगता और अगले आम चुनाव में महिला आरक्षण लागू नहीं हो पाता। इसीलिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन की पहल की गई। इससे परिसीमन या सीटों का निर्धारण नई जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाएगा। इस कदम से अधिनियम लागू करने में होने वाली देरी से बचा जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यह उचित ही अपील की है कि सभी दल दलगत हितों से ऊपर उठकर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर एकजुटता दिखाएं। आशा है कि संसद के विशेष सत्र में कोई भी दल इसमें बाधा नहीं बनेगा, क्योंकि यह भारतीय नारियों के राजनीतिक सशक्तीकरण ही नहीं उनके चतुर्दिक विकास का भी प्रश्न है।

–धनंजय राजौरा

सतपुड़ा एकेडमी ने रचा शत-प्रतिशत सफलता का इतिहास

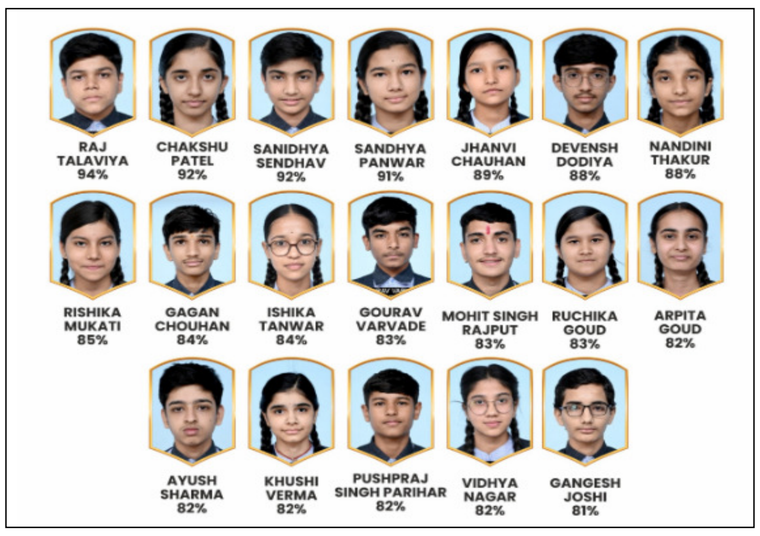

10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर तुलजा विहार कॉलोनी स्थित सतपुड़ा एकेडमी के विद्यार्थियों ने 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर विद्यालय एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और संकल्प के साथ न केवल उत्तीर्णता प्राप्त की, बल्कि उच्च अंक अर्जित कर उत्कृष्टता का परिचय दिया।

कक्षा 10वीं के विद्यार्थी राज तलाविया ने 94, चक्षु पटेल 92, सानिध्य सेंधव 92, संध्या पंवार 91, जाह्नवी चौहान 89, देवेंश डोडिया 88, नंदिनी ठाकुर 88, ऋषिका मुकाती 85, गगन चौहान 84, इशिका तंवर 84, गौरव वरवड़े 83, मोहितसिंह राजपूत 83, रुचिका गौड़ 83, अर्पिता गौड़ 82, आयुष शर्मा 82, खुशी वर्मा 82, पुष्पराजसिंह परिहार 82, विद्या नागर 82, गंगेश जोशी 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की प्रवीण्य सूची में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। छात्र सानिध्य सेंधव ने सामाजिक विज्ञान में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया।

10वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत परिणाम के साथ विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को कायम रखा।

विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर वैभव विहार शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव, संस्था संचालक भानुप्रतापसिंह सेंधव, प्राचार्य वी.एस. जाब एवं समस्त स्कूल स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग को दिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिनेश सांखला ने दी।

18 के बजाए 10 हजार वेतन दे रही कंपनी, शिकायत पर मिल रही धमकियां

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम धतरावदा स्थित सोलर प्लांट की यूनिट 1 में कार्यरत सुरक्षा गार्डों ने गुरूवार को तहसीलदार को शिकायत की। जिसमें बताया कि उन्हें निर्धारित राशि से कम वेतन दिया जा रहा है। वहीं यदि हम शिकायत करते हैं तो हमें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। यूनिट में कार्यरत करीब 40 सुरक्षा गार्डों ने वेतन कटौती और नौकरी से निकालने की धमकी देने का आरोप लगाया है। जिन्होंने तहसीलदार दिव्या जैन को बताया कि अधिकृत ठेकेदार कंपनियां उन्हें तय मूल वेतन से काफी कम राशि दे रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीपीसी से जुड़े इस प्रोजेक्ट में पहले कर्णीशील्ड सिक्योरिटीज सर्विस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गार्ड्स को लगभग 10 हजार रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा था, जबकि विभाग से कंपनियों को प्रति गार्ड लगभग 18 हजार रुपए मिलने की बात कही गई है। इससे पहले, न्यूज़ स्टेप सिक्योरिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 12 हजार रुपए वेतन दिया जाता था। गार्डों का आरोप है कि कंपनियां मूल वेतन में से करीब 8 हजार रुपए की कटौती कर लेती हैं। वर्तमान में अपरामया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भी केवल 10 हजार रुपए देने की बात कही जा रही है। गार्डों ने यह भी आरोप लगाया कि वेतन बढ़ाने की मांग करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार दिव्या जैन ने तत्काल कंपनी अधिकारियों से फोन पर चर्चा की। उन्होंने गार्डों को उनकी समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

भट्टी की तरह तप रहा शाजापुर, तापमान 42 की बाउंड्री पर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर का तापमान पिछले तीन दिनों से लगातार बढ़ रहा है। जो गुरूवार को 41.8 तक पहुंच गया। तो रात का तापमान भी 22.2 डिग्री दर्ज किया गया। जिसके चलते लोगों का गर्मी से बुरा हाल होने लगा है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले एक सप्ताह तक तापमान में उछाल जारी रहेगा। संभवतया यह 45 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। वैसे रात में हवाएं जरूर राहत दे रही है लेकिन वह भी नाकाफी साबित हो रही है और लोगों के दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी पसीने छूट रहे हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि गर्मी अपने चरम पर आ चुकी है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरी तरह समाप्त हो चुका है और आगामी दिनों में तीखी धूप खिलेगी और तापमान में लगातार उछाल आएगा। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह तापमान 45 डिग्री तक जाने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इन दिनों मौसम के ये हाल हैं कि आंख खुलते ही गर्मी का एहसास होने लगता है।

बस स्टैंड एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करें- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति अध्यक्ष सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने राष्ट्रीय राजमार्ग-52 सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर रम्बल स्ट्रिप, सेफ्टी साइन बोर्ड एवं हाई मास्ट लाइट स्थापित करने, दुर्घटना संभावित स्थानों पर संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं के लिए आश्रय स्थल विकसित करने, प्रमुख जंक्शनों पर स्पीड कंट्रोल उपायों को सुदृढ़ करने तथा आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर एवं साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। रात्रि के समय दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर/रिफ्लेक्टिव टेप अनिवार्य करने एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अवैध अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित पार्किंग पर कार्रवाई तथा बस स्टैंड एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

बैठक में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले में ट्रैफिक पार्क विकसित करने के विषय पर चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त, पोलायकलां नगरीय क्षेत्र अंतर्गत पिपलरावां मार्ग पर डिवाइडर निर्माण के विषय पर विचार करते हुए नगर परिषद पोलायकलां को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री घनश्याम मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री मनीषा वास्कले तथा कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्री हर्षवर्धन सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

फायर सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि जिला चिकित्सालय देवास में बीएनपी से आई सीआईएसएफ की फायर टीम द्वारा फायर सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार ने किया, जिनके साथ हेड कांस्टेबल श्री विक्टर, नितेश राठौड़ और परविंदर कुमार उपस्थित थे। टीम ने अस्पताल के कर्मचारियों और उपस्थितजनों को आग से बचाव के उपायों, सुरक्षा प्रोटोकॉल और आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के अग्निशमन यंत्रों के बारे में विस्तार से बताया गया और उनका प्रायोगिक प्रदर्शन भी किया गया। टीम ने आग बुझाने की तकनीक और उपकरणों के सही उपयोग की विधि को सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाया। इसके साथ ही अस्पताल स्टॉफ को आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकासी और त्वरित प्रतिक्रिया की रणनीतियों पर प्रशिक्षित किया गया। इस आयोजन ने अस्पताल के कर्मचारियों को न केवल आग से बचाव के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान किया, बल्कि उनकी आपातकालीन स्थिति से निपटने की क्षमता को भी मजबूत किया।

नलकूप खनन एवं हैण्डपंप स्थापना के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मजरे, पाले, टोले में नलकूप खनन एवं हैण्डपंप स्थापना से सम्बंधित जिला स्तरीय गठित समिति की समीक्षा बैठक आज आयोजित की गई हैं। कलेक्टर सुश्री बाफना ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिये कि सफल स्त्रोत प्राप्त होने पर ही नलकूप खनन कराएं। बैठक में जिला पंचायत मद से नलजल योजनाओं में स्त्रोत निर्माण करने के लिए 17 ग्रामों के प्रस्ताव कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किये गये। वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिये गये लक्ष्यानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शाजापुर द्वारा विधायकों/निर्वाचित जनप्रतिनिधियों/अन्य से प्राप्त आवेदनों से अवगत कराया गया तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों के अधिकारी द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शाजापुर से समन्वय कर वित्तीय वर्ष 2026-27 में मजरे/पाले/टोले व समस्या ग्रस्त ग्रामों में नलकूप खनन कर हैण्डपंप स्थापना के प्राप्त 24 लक्ष्यानुसार ग्रामों का चयन किया गया।

अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा पद्धति पर कार्यशाला आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक उन्नत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ डॉ. ड्रैगन प्रिमोरेक के मार्गदर्शन में अत्याधुनिक चिकित्सा पद्धति पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, डॉक्टरों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रिमोरेक ने आधुनिक चिकित्सा तकनीकों, नवीन शोधों तथा रोगों के उन्नत उपचार तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से घुटनों से संबंधित बीमारियों के उपचार में आई नई क्रांतिकारी तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब ऐसी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियां विकसित हो चुकी हैं, जिनके माध्यम से कई मामलों में मरीजों को घुटना प्रत्यारोपण करवाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

उन्होंने समझाया कि उन्नत थैरेपी, मिनिमली इनवेसिव तकनीक, और रीजेनेरेटिव मेडिसिन जैसे आधुनिक उपचार विकल्पों के माध्यम से घुटनों के खराब हो चुके टिश्यू को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इससे न केवल सर्जरी की जरूरत कम होती है, बल्कि मरीजों को जल्दी आराम, कम दर्द और तेजी से रिकवरी का लाभ मिलता है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. अभिजात सेठ भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अमलतास अस्पताल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास देश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर अमलतास ग्रुप के संस्थापक श्री सुरेश सिंह भदौरिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्हें अस्पताल का निरीक्षण भी करवाया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं, आधुनिक मशीनों एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की जानकारी अतिथियों को दी।

साथ ही अतिथियों ने नशा मुक्ति विभाग एवं अमलतास अस्पताल द्वारा संचालित स्पेशल स्कूल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक दायित्वों का भी प्रभावी रूप से निर्वहन कर रहा है। विशेष रूप से नशा मुक्ति और विशेष बच्चों की शिक्षा एवं देखभाल के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायक हैं।

कार्यशाला में विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को नवीनतम चिकित्सा उपकरणों, डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजी एवं आधुनिक उपचार प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। साथ ही, लाइव डेमो और इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से जटिल चिकित्सा प्रक्रियाओं को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया गया।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का उद्देश्य डॉक्टरों और चिकित्सा स्टाफ को नई तकनीकों से अपडेट रखना है, जिससे मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

मां राजराजेश्वरी के चरणों से मां नर्मदा की गोद में जा रहा हूं: न्यायाधीश श्री नोटिया

अभिभाषक संघ ने दी भावभीनी विदाई, भावुक हुए न्यायाधीश एवं अभिभाषकगण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर की शाम, न्यायालय में आप सबका साथ और मां राजराजेश्वरी का आशीर्वाद यह मेरे जीवन के वो पल हैं जिसे भुलाना संभव नहीं है। यहां जो रिश्ता बना है उसे मैं सारी उम्र निभाउंगा। स्थानांतरण तो एक प्रक्रिया है जो हर सेवक के जीवन में आती है। यहां मां राजराजेश्वरी का आशीर्वाद मिला अब मां नर्मदा की गोद में जा रहा हूं।

यह बात न्यायाधीश दिनेशकुमार नोटिया ने गुरूवार को अभिभाषक संघ द्वारा आयोजित अपने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में जब मेरा स्थानांतरण शाजापुर हुआ है। इस नगर को लेकर सभी ने कहा कि यह बहुत अच्छा शहर है। जिसे मैने अनुभव भी किया। इस वर्ष भी वही ट्रांसफर का इंतजार था लेकिन जब लिस्ट आई तो समझ आया कि ये ट्रांसफर मेरा नहीं है, ये तो निर्वासन है। निर्वासन उस घर का, जिसके कमरे में फाईल पढकर मैने कई अहम फैसलो की तैयारी की है, उस घर से निर्वासन जिसमें न केवल मेरा बल्कि मेरे बच्चों के जीवन का महत्वपूर्ण समय व्यतीत हुआ है, जहां सिर्फ इसकी तैयारी रहती थी कि मै समय से कोर्ट पहुंच सकूं। ये ट्रांसफर है मेरे बच्चों की उस कराटे क्लास का, उस बचपन का, जिनके साथी बिना इजाजत घर में आ जाते थे, और उस शाम का जो वॉक करते समय, साई मंदिर तथा माँ राजेश्वरी के दर पर झुककर पूरी होती थी। यह पीडा है उस हनुमान मंदिर की जहाँ न्याय आसन पर बैठने से पहले सिर्फ एक ही प्रार्थना थी कि प्रभु, आज मेरी कलम से कोई अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि मुझे शाजापुर ने केवल पद नहीं दिया बल्कि पहचान भी दी है। अभिभाषक संघ मीडिया प्रभारी सईद पठान ने बताया कि श्री नोटिया का नर्मदापुरम होशंगाबाद स्थानांतरण होने से अभिभाषक संघ द्वारा श्री नोटिया को मां राज राजेश्वरी की प्रतिमा प्रतीक चिन्ह स्वरूप भेंट की गई। इसके बाद सभी ने उन्हें शाल-श्रीफल व सांफा बांधकर विर्दइादी। कार्यक्रम को जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष करणसिंह गुर्जर, गिरधारीलाल देवतवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित करते हुए न्यायाधीश श्री नोटिया की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश आनंदकुमार तिवारी सहित अन्य न्यायाधीशगण मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव शैलेन्द्र वर्मा ने किया आभार उपाध्यक्ष गिरधारी देवतवाल ने माना। इस अवसर पर नरेंद्र तिवारी, इसहाक अंसारी, जावेद पठान, अनिल आचार्य, एजाजुद्दीन मेव, कमल पाटीदार, इंदर गामी, सावेद पठान आदि उपस्थित थे।

जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थानों को ड्रग-फ्री जोन घोषित करने एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर के दायरे को ड्रग-फ्री जोन घोषित कर सख्ती से लागू करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा उक्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शाजापुर जिले में व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। जिसके तहत जिले की सीमा के अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों (स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर आदि) के 500 मीटर के दायरे को ड्रग-फ्री जोन (ष्ठह्म्ह्वद्द-स्नह्म्द्गद्ग ञ्जशठ्ठद्ग) घोषित किया गया है। उक्त 500 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ, नशीली दवाएं (बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन) सिगरेट, बीड़ी या अन्य तम्बाकू उत्पादों का विक्रय, भंडारण एवं प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। समस्त संस्था प्रमुख यह सुनिश्चित करेंगे कि परिसर के बाहर यह क्षेत्र ड्रग-फ्री जोन है का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगा हो। समस्त शैक्षणिक सस्थान छात्रों के प्रवेश के समय उनकी काउंसिलिंग और आवश्यकतानुसार स्वैच्छिक स्क्रीनिंग की व्यवस्था करेंगे। समस्त शैक्षणिक संस्थान किसी छात्र के द्वारा किसी मादक पदार्थ का सेवन करने की सूचना/जानकारी प्राप्त होने पर संबंधित थाने को तत्काल अवगत करायेगे तथा उक्त छात्र को संबंधित थाना प्रभारी के माध्यम से रिहेब सेंटर भिजवायेंगे। समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी अपने अधिकार क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों के आसपास 500 मीटर की परिधि का सीमा निर्धारित करेंगे। इस सीमा के भीतर आने वाली संदिग्ध दुकानों गुमटियों या ठेलों का रिकॉर्ड संधारित किया जाए।

प्रत्येक अनुभाग स्तर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुविभागीय अधिकारी, (पुलिस) एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्र के संस्थानों का नियमित निरीक्षण करेगा। परिसर में नशामुक्ति के संबंध में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं। समस्त तहसीलदार / थाना प्रभारी अपने क्षेत्र के संस्थानों के आसपास की गई जांच की पाक्षिक रिपोर्ट जिला एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय नारकोटिक्स शाखा को प्रेषित करेंगे। यदि 500 मीटर की परिधि में कोई अवैध निर्माण यां अतिक्रमण पाया जाता है जहाँ मादक पदार्थों के सेवन या विक्रय की शिकायत प्राप्त होती है तो नगरीय निकाय/ राजस्व / पुलिस विभाग तत्काल नियमानुसार हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये गये हैं।

पोषण पखवाड़ा एवं नारी शक्ति वंदन पखवाड़े अंतर्गत आंगनवाडी केन्द्रों पर गतिविधियां आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में समस्त एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना अधिकारी द्वारा जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों पर आज शासन से प्राप्त थीम माता-पिता के लिए ईसीसीई और प्रारंभिक देखभाल सत्र पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। गतिविधि के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के माता-पिता के साथ ईसीसीई और प्रारंभिक देखभाल सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों, माता-पिता को केन्द्रों पर बच्चों के प्रारंभिक देखभाल के लिए करवाई जाने वाली ईसीसीई गतिविधियों के बारे में बताया गया। साथ ही माता-पिता को बच्चों के साथ घर पर भी इस प्रकार की गतविधि करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उपस्थित जनों को शाजापुर जिले के नवाचार घर में पकायेंगे ङ्क घर का खायेंगे की जानकारी देते हुए स्वदेशीय खाद्य सामग्री का उपयोग कर किस प्रकार स्वदिष्ट भोजन तैयार किया जा सकता है, के फायदे बताये गये। साथ ही उपस्थित जनों को नारी शक्ति वंदन पखवाड़े की जानकारी देते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम अंतर्गत नारी सशक्तिकरण के लिए किये गए प्रावधानों के बारे में बताया गया। आयोजित गतिविधियों में सभी उपस्थित जनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी दी गई एवं बताया गया।

अनुपस्थित शिक्षकों को जारी किया नोटिस, विज्ञान मेले में 15 टीचर रहे अनुपस्थित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित विज्ञान विषय के तीन दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण में शिक्षकों की लापरवाही सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने सख्ती दिखाई है। प्रशिक्षण के पहले दिन बुधवार को 116 शिक्षकों में से 15 शिक्षक गैरहाजिर मिले, जबकि कई देर से पहुंचे। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शिप्रे ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

यह प्रशिक्षण राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान के निर्देश पर किया जा रहा है। इसमें जिले के हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में पदस्थ विज्ञान विषय के शिक्षक शामिल हैं। यह आवासीय प्रशिक्षण तीन दिनों तक चलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शिप्रे ने बताया कि पहले दिन निरीक्षण के दौरान 85 शिक्षक ही उपस्थित मिले थे। रिपोर्ट में 15 शिक्षकों को अनुपस्थित दर्ज किया गया है। इन सभी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो संबंधित शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। डीईओ शिप्रे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे शिक्षकों की लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त करते नजर आ रहे हैं।

पुराने मंगेतर ने होने वाले दूल्हे को दी धमकी, कहा आग लगा दूंगा

पीड़ित ने पुलिस को की शिकायत, लड़की भी पहुंची अधिकारियों के पास

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 27 अप्रैल को जिस लड़के की शादी होने वाली है उसे उसकी होने वाली पत्नी के पुराने मंगेतर ने धमकी दी है कि यदि उसने उस लड़की से शादी की तो वह घर में आग लगा देगा। इसके बदले वह सोने-चांदी और नगदी की मांग भी कर रहा है। जिसकी शिकायत पीड़ित ने लालघाटी पुलिस को की है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पिपलिया गुर्जर निवासी मनीष पिता ईश्वरसिंह गुर्जर ने पुलिस को की गई शिकायत में बताया कि 13 अप्रैल की सुबह करीब 4 बजे वह अपने पिता के साथ खेत में पानी दे रहा था। उसी समय मालीखेड़ी निवासी रविंद्र पिता ओमप्रकाश गुर्जर वहां पहुंचा जिसने मनीष को बताया कि जिस युवती से उसकी 27 अप्रैल को शादी तय है उसकी पहले ही सगाई हो चुकी थी। अब रविंद्र शादी न करने के बदले तीन तोला सोने का हार, डेढ़ किलो चांदी और 50 हजार रुपये नकद की मांग कर रह है। मनीष ने बताया कि वह धमकी दे रहा है कि यदि उसकी मांग पूरी नहीं हुई तो वह घर में आग लगा देगा और परिवार को नुकसान पहुंचाएगा। फिलहाल पुलिस ने रविंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इधर मनीष की होने वाली मंगेतर ने भी एसपी कार्यालय पहुंचकर गंभीर आरोप लगाए हैं। अवंतीपुर बडोदिया थाना क्षेत्र की निवासी युवती ने बताया कि वर्ष 2015 में मां और 2017 में पिता की मृत्यु के बाद उसके काका-काकी ने उसे अपने पास रखा। युवती का आरोप है कि नाबालिग उम्र में ही उसकी सगाई काकी के भांजे रविंद्र से कर दी गई थी और इस दौरान सोने-चांदी भी लिया गया।

युवती ने यह भी बताया कि उसके पिता के एक्सीडेंट क्लेम के 10 लाख रुपए, 18-20 बीघा जमीन, मकान और जेवरात भी हड़प लिए गए हैं। उसका कहना है कि अब उसी युवक (रविंद्र) से जबरन शादी करने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि वह पहले ही दूसरी शादी कर चुका है।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण का किया औचक निरीक्षण

प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर जोर, शिक्षकों से पूछे सवाल

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव द्वारा जनगणना-2027 के अंतर्गत सुसनेर के डग रोड स्थित सांदीपनि सीएम राइज स्कूल में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती यादव प्रशिक्षण कक्ष में पहुंचीं और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से सीधे संवाद करते हुए जनगणना से संबंधित प्रक्रियाओं, डेटा एंट्री के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों एवं फील्ड कार्य में आने वाली संभावित चुनौतियों के संबंध में प्रश्न पूछे। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता को परखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स को निर्देशित किया कि जनगणना का डेटा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का आधार होता है, अतः जानकारी संकलन में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 में डिजिटल माध्यमों का व्यापक उपयोग किया जाएगा, इसलिए प्रत्येक प्रगणक को मोबाइल एप एवं डिजिटल पोर्टल के उपयोग में दक्ष बनाया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए तथा फील्ड स्तर पर कार्य करते समय सभी आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान अपर कलेक्टर आर.पी. वर्मा, जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी डॉ. पी.एस. मालवीय, बीईओ मुकेश तिवारी, बीआरसी राधेश्याम पाटीदार, मास्टर ट्रेनर इरफान खान, स्कूल प्राचार्य नरेंद्र लोहार, सीएमओ ओ.पी. नागर, अरुण शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं हाउसिंग सेंसस का कार्य अप्रैल 2026 में प्रारंभ किया जा रहा है, जबकि मुख्य जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को त्रुटिहीन एवं सफल बनाने हेतु व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

सड़क निर्माण कार्य एवं सभा मंडप निर्माण का भूमि पूजन संपन्न हुआ

नेपानगर/ राजेश पटेल लारा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 02 के हिलटॉप एरिया में विकास को नई गति देते हुए आज डॉ. रघुवंशी के घर से शहजाद अली के घर तक सड़क निर्माण (डामरीकरण) कार्य एवं सभा मंडप निर्माण का भूमि पूजन संपन्न हुआ। 31 लाख की लागत से बनने वाली सड़क और ?14लाख की लागत से बनने वाला सभा मंडप क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती पाटिल, पूर्व अध्यक्ष सोहन सैनी, विनोद पाटिल, पार्षद अनीशा पटेल, सपना पटेल, वर्ष ठाकरे, कैलाश पटेल, शांताराम ठाकरे, चंचल त्रिपाठी, मनीष सोनवाने, विजय कुशवाह, आरती भावसार सहित अनेक गणमान्य नागरिक और वार्डवासी मौजूद रहे। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश पटेल 'लारा' ने कहा कि यह कार्य जनता की आवाज और संघर्ष का परिणाम है। पहले पार्षदों के साथ थाली बजाकर प्रशासन को जगाने का प्रयास किया गया, और आज उसी का नतीजा है कि विकास कार्य जमीन पर उतर रहा है। कार्यक्रम के दौरान वार्ड की महिलाओं ने भी खुलकर अपनी बात रखी और स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की मांग की, ताकि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहे। पार्षद अनीशा पटेल ने भी तकनीकी पहलुओं पर जोर देते हुए कहा कि डामरीकरण से पहले सड़क की उचित सफाई, धूल और मिट्टी हटाना अनिवार्य है, तभी निर्माण कार्य मजबूत और टिकाऊ होगा। भूमि पूजन के बाद वार्डवासियों ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की और क्षेत्र के विकास के इस नए चरण का स्वागत किया।

इमलीखेड़ा में स्कूल मर्जर के विरोध में जोरदार प्रदर्शन, रेली निकालकर किया विरोध

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम इमली खेड़ा में शासकीय स्कूलों को गोलाना स्थित सांदीपनि विद्यालय में मर्ज करने के प्रस्ताव के विरोध में ग्रामीणों ने गांव में गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। स्कूल भवन के सामने आयोजित इस प्रदर्शन में छात्र-छात्राओं के अभिभावकों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। धरना प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि इमली खेड़ा के विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या पर्याप्त है और यहां का परीक्षा परिणाम भी लगातार ठीक रहा है। इसके बावजूद स्कूलों के मर्जर का निर्णय समझ से परे है। अभिभावकों ने चिंता जताई कि गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने में बालक-बालिकाएं असुरक्षित महसूस करते हैं, जिससे उनकी शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने गांव में रेली निकालकर विरोध किया स्कूलों के प्रस्तावित विलय को निरस्त करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पहली से पांचवी तक की पढ़ाई करने वाले बच्चों की आयु कम ही होती है वह गांव से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तो माता-पिता को चिंता होती है जब गांव में ही बेहतरीन रिजल्ट मिल रहा है तो फिर सरकार को इस प्रकार का निर्णय नहीं लेना चाहिए ग्रामीणों ने समय रहते प्रशासन को इस तरह का प्रस्ताव में फेर बदल नहीं किया तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल, आलोट का 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित, श्लोक शर्मा जिले की मेरिट सूची में शामिल

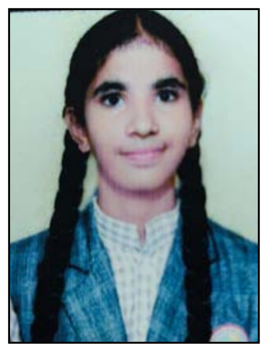

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल, आलोट का कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में हर्ष और उत्साह का वातावरण छा गया। इस वर्ष विद्यालय ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दर्ज करते हुए अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को पुनः सिद्ध किया है।

विद्यालय के मेधावी छात्र श्लोक शर्मा (96.2%) ने जिले की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में प्रांशी भंडारी (95%), अरहान खान (93.4%), आदित्य शर्मा (92.2%), यजा शर्मा (91.2%), चिराग शर्मा (90.6%), अविका जांगलवा (89%), तनिष्का कोठारी (88.4%), राजवर्धन सिंह सोलंकी (87.4%), मारिया लोखंडवाला (87%), विनय गुनारा (86.2%), महिमा शर्मा (84%), तनीष पोरवाल (83.8%), दक्ष सिलोटिया (82.6%), हिना शर्मा (81.2%) एवं अनुज शर्मा (80.4%) ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस शानदार सफलता पर संस्था अध्यक्ष डॉ. शिखर जैन, उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण काकाणी, कोषाध्यक्ष श्री धर्मचंद जैन, सचिव श्री सिरेमल भंडारी एवं सदस्यगण–श्री संजय डूंगरवाल, सुश्री दीपिका डूंगरवाल, श्री पवन कामरिया तथा श्री मनीष सेठिया ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

वरिष्ठ शिक्षकगण–सुश्री सुषमा तरानेकर, श्रीमती लता शर्मा, नवीन खेतरा,श्री पुष्कर पाटीदार, श्री राहुल सोनी, श्री वीरेंद्र सिंह पंवार योगेन्द्र मीणा , नीरज जैन , महेंद्र राठौर, अश्विनी मिश्रा, सुदामा वर्मा राहुल सिंह बघेल, मांगू सिंह सिसोदिया सहित समस्त विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी संस्था इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देते हुए नई ऊँचाइयों को प्राप्त करती रहेगी।

श्री गुरु संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 726 की जयंती मनाई

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सकल पंच सेन समाज उन्हेल द्वारा श्री गुरु संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 726वीं जयंती मनाई इस शुभ अवसर पर पंडित धीरज जी उपाध्याय द्वारा एवं सभी समाज जन द्वारा श्री गुरु सेन जी महाराज की महा आरती की गई एवं महाप्रसादी वितरण की गई इस शुभ अवसर पर हमारे समाज के वरिष्ठ समाजसेवी अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी चौहान दिनेश जी सोलंकी वकील साहब, रमेश चंद्र जी सेन सुरेश जी सोलंकी रामगोपाल जी चौहान धर्मेंद्र सेन अमृत वर्मा बेडावन सरपंच राकेश परमार धूमाहेडा लखन वर्मा रूपाखेड़ी राहुल सोलंकी प्रकाश सेन कमल सेन नितिन वर्मा विजय बोस भैय्यू वर्मा कुलदीप सोलंकी आदि सभी समाज जन महाआरती एवं महाप्रसादी में उपस्थित रहे।

रतलाम के थाना जावरा क्षेत्र में अज्ञातकारणों से अवसादग्रस्त 35 वर्षीय महिला ने किया जहरीले पदार्थ का सेवन

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम के थाना जावरा क्षेत्र में नाना साहब का मोहल्ला में एक महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया हैं, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में दिनाँक 16/04/2026 को सुबह 10:25 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल जावरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक नारायण सिंह पवार एवं पायलेट मंगलेश्वर सूर्यवंशी ने घटनास्थल पर पहुँचकर बताया कि अज्ञात कारणों से आत्महत्या के उदेश्य से अवसादग्रस्त 35 वर्षीय महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था, डायल-112 जवानों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित महिला को परिजन के साथ एफ़ आर व्ही वाहन से ले जाकर सिविल अस्पताल जावरा में भर्ती कराया।

नगर परिषद सुसनेर ने नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अंतर्गत किया नारी सम्मेलन का आयोजन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार नगर परिषद सुसनेर द्वारा गुरुवार को नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अभियान अंतर्गत मैना रोड स्थित मांगलिक भवन में नारी शक्ति सम्मेलन आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, पार्षद मीना पवन शर्मा, स्नेहा युगल किशोर परमार, पार्षद प्रतिनिधि अर्जुन जादमे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने अपने द्वारा किए गए नगर हितेषी विकासकार्यों को महिलाओ के समक्ष प्रस्तुत किए साथ सभी माहिलाओ से नगर की स्वच्छता एवं विकास हेतु सहयोग की अपील की। मंडल अध्यक्ष डाक्टर सौरभ जैन ने महिलाओं सशक्तिकरण हेतु चलाई जा रही शासन की योजनाओ को बताया। कार्यक्रम को सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, पार्षद मीना शर्मा, स्नेहा परमार ने भी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर महिलाओं को संबोधित किया। अंत में सभी महिलाओं ने नगर को स्वच्छ रखने की शपथ भी ली। इस अवसर पर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी सामुदायिक संगठीका शहजादी खान, शाहिद खान, जगदीश जोशी, अक्षय गुहाटिया, शकील खान, रियाज खान सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं अधिक संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन सामुदायिक संगठक जगदीश परमार ने किया एवं आभार सीएमओ ओपी नागर ने माना।

11000 बहनों के भाई चेतन यादव करेंगे अनूठा 'मामेरा', मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में देंगे आशीर्वाद

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक सरोकार और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मिसाल पेश करते हुए नागदा के सामाजिक कार्यकर्ता चेतन यादव एक बार फिर चर्चा में हैं। 11000 बहनों के रक्षा सूत्र में बंधे भाई के रूप में पहचाने जाने वाले चेतन यादव, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सभी नवविवाहित जोड़ों को अपनी ओर से 'मामेरा' करेंगे।

नगर पालिका के तत्वाधान में मोदी खेल परिसर में आयोजित इस भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम में चेतन यादव न केवल अपनी बहनों और भांजियों को पारंपरिक मामेरा पहनाएंगे, बल्कि पूरे आयोजन को उत्सव का रूप भी देंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में बैंड-बाजों के साथ पूरे हर्षोल्लास से बहनों और भांजियों का स्वागत किया जाएगा।

चेतन यादव ने कहा कि, मेरे लिए ये सभी बहनें और उनकी बेटियां परिवार का हिस्सा हैं। जब इतने बड़े स्तर पर विवाह हो रहा है, तो मेरा भी कर्तव्य बनता है कि मैं एक भाई और मामा के रूप में अपना फर्ज निभाऊं।

उन्होंने यह भी बताया कि इस नेक पहल की प्रेरणा उन्हें समानी आलोक से मिली। उन्होंने सुझाव दिया कि अलग-अलग स्थानों पर मामेरा करने के बजाय एक ही स्थान पर सामूहिक रूप से यह आयोजन किया जाए, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश पहुंचे।

चेतन यादव अपने इष्ट मित्रों और बहनों के साथ समारोह में शामिल होकर सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद देंगे और इस खास मौके को यादगार बनाएंगे।

शहरी क्षेत्र झाबुआ में ट्रक/भारवाहक वाहनों के प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ श्री चंदरसिंह सोलंकी ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्गों पर ट्रक/भारवाहक वाहनों के झाबुआ शहर में प्रवेश को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टि से पूर्णतः प्रतिबन्धित किया। स्थान एवं प्रतिबंधित मार्ग पर प्रातः 07:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिसमें भोयरा रोड़ अमृत आर ओ वाटर प्लांट- कुंदनपुर व पिटोल से आने वाले भारी वाहन, करड़ावद हनुमान मंदिर- गुजरात दाहोद, पिटोल, थान्दला व मेघनगर मार्ग से आने वाले भारी वाहन, रंगपुरा अंडर ब्रिज हाईवे- कल्याणपुरा, रायपुरिया, पेटलावद, रतलाम व बदनावर मार्ग से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन, पारा फाटा झाबुआ- कालीदेवी, सरदारपुर, धार व इंदौर से आने वाले तथा पारा व बोरी से आने वाले भारी वाहन एवं राणापुर रोड पर महर्षि त्रिपुरा नर्सिंग कॉलेज तिराहा- राणापुर, जोबट, आलीराजपुर, बड़वानी व छोटा उदयपुर (गुजरात) से आने वाले भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि शहरी क्षेत्र झाबुआ में भारी वाहनों के कारण दुर्घटना होना पाया गया हैं। कस्बा झाबुआ में भारी वाहनों के कारण जाम लगना, आम जनता एवं स्कूल के बच्चों की जान का खतरा बना रहता है। शहर में वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के उद्देश्य से प्रातः 07:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक कस्बा झाबुआ (शहरी क्षेत्र झाबुआ) में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया गया है।

प्रतिबन्ध से मुक्त वाहन- यह प्रतिबन्ध केवल भारवाहनों के लिए लागू है। शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप गतिसीमा अधिकतम 40 कि.मी. प्रति घण्टा तथा दोपहिया वाहन यथावत पूर्ववत् आवागमन कर सकेंगे।

लैब टेक्नोलॉजिस्ट के अधिकारों को लेकर MLTWA की आवाज बुलंद, संगठन ने उठाए अहम मुद्दे

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश एवं बीपीएलटी द्वारा 15 अप्रैल को मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट डे मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लैब टेक्नोलॉजिस्ट के अधिकारों और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में लैब टेक्नीशियन राहुल पौराणिक (नरेन्द्र) की भूमिका विशेष रूप से उज्जैन जिला अध्यक्ष के रूप में प्रमुख रही, जिन्होंने टेक्नोलॉजिस्ट से जुड़े कई अहम मुद्दों को मजबूती से सामने रखा।

प्रदेश महासचिव कमलेश राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार के हालिया नोटिफिकेशन में लैब टेक्नोलॉजिस्ट के अधिकारों की अनदेखी की गई है, जो इस पेशे से जुड़े लोगों के लिए निराशाजनक है। उन्होंने बताया कि लैब टेक्नोलॉजिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें नीतिगत स्तर पर अपेक्षित सम्मान और अधिकार नहीं मिल पा रहे हैं।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विरोध दर्ज कराया गया है। देशभर से हजारों ईमेल भेजकर सरकार से इस नोटिफिकेशन पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। यह अभियान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में चलाया गया।

राहुल पौराणिक ने संगठन के मध्यम से कॉर्पोरेट लैब्स की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई कॉर्पोरेट लैब्स अत्यधिक कम दरों पर जांच सेवाएं दे रही हैं, जिससे न केवल अनैतिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, बल्कि जांच की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति छोटे लैब संचालकों और प्रशिक्षित टेक्नोलॉजिस्ट के लिए चुनौती बनती जा रही है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी कलेक्शन सेंटर का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाए, ताकि बिना पंजीकरण के चल रही लैब गतिविधियों पर नियंत्रण हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केवल प्रशिक्षित और योग्य लैब टेक्नोलॉजिस्ट से ही जांच कार्य कराया जाना चाहिए, ताकि मरीजों की सुरक्षा और जांच की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा संगठन ने मध्यप्रदेश अलाइड हेल्थ केयर काउंसिल में लैब टेक्नोलॉजिस्ट को प्रतिनिधित्व देने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि जब तक टेक्नोलॉजिस्ट को नीति निर्माण में भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा जल्द उचित कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष केवल टेक्नोलॉजिस्ट के अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी है।

निर्माणाधीन फोरलेन मौत के कुवे के समान - इंजी नवीन कुमार अग्रवाल

7 न संकेतक न कोई अवरोधक और न कोई दुर्घटना की चिंता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाटखेड़ा से डूंगलावदा चौराहे तक निर्माणाधीन फोर लेन सड़क वर्तमान में दुर्घटनाओं और जाम के रूप में कुख्यात हो चूका है और यह सब निर्माण एजेंसी एमपीआरडीसी के अधिकारियो और इंजीनियरों के कारन है जो न तो इस निर्माणाधीन सड़क का निरिक्षण करते है और न ही किसी प्रकार से ठेकेदार को निर्देशित करते है जिसके कारन पिछले साल से अभी तक सेंकडो छोटी छोटी दुर्गटनाये उक्त सड़क निर्माण के दोरान हो चुकी है लेकिन कई बार प्रशासनिक अधिकारियो को भी संज्ञान में लाने के बाद भी कोई सुधार उक्त सड़क मार्ग के निर्माण में हुआ है और ठेकेदार अपनी मनमर्ज़ से जंहा मर्जी में आयी वंहा सड़क को खोदकर महीनो तक छोड़ देता है और न ही कोई संकेतक लगाता है जिसके कारन आवागमन में परेशानी होने के साथ ही दुर्घटनाये घटित हो रही है और आमजन चोटिल हो रहा है। आमजन की आवाज को उठाते हुए आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी नवीन कुमार अग्रवाल ने एमपीआरडीसी और ठेकेदार के ऊपर जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगया है।

अग्रवाल ने कहा की सड़क मार्ग आमजन की सुविधा के लिए बनाया जाता है लेकिन उक्त मार्ग के निर्माण से कही नहीं लगता है की उक्त सड़क जनता की सुविधा के लिए बनाई जा रही है जिस पर कोई भी सड़क मानक का परिपालन नहीं किया जा रहा है। सड़क निर्माण के दौरान वैकल्पिक मार्ग बनाकर आवागमन को सुविधानुसार परिवर्तिति किया जाता है लेकिन उक्त मार्ग पर किसी भी प्रकार से वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाते हुए जहा देखो खोद कर पटका जा रहा है और न ही कोई संकेतक लगाए ज़ा रहे है और वैकल्पिक मार्ग न होने से रोज घंटो जाम की स्थिती निर्मित हो रही है जिसके कारन आमजन परेशानी झेलने को मजबूर है। दूसरी और सड़क का निर्माण दुकानों और मकानों की फ्लोरिंग से ऊपर किया जा रहा है जिसके कारन वर्षा काल में जलभराव की स्थिति निर्मित होंगी जिस प्रकार से एमपीआरडीसी के मनासा नीमच मार्ग बनने के बाद इंदिरा नगर फवारा चौक बस स्टैंड पर जलभराव की स्थित निर्मित होती है इस सम्बन्ध में एमपीआरडीसी के अधिकारियो को अवगत करवा दिया गया है लेकिन अभी तक उस पर कोई सकारात्मक कारवाही नहीं हुई है।

अग्रवाल ने कहा की नीमच के प्रशासनिक अधिकारियो को भी इस और ध्यान देना चाहिए की किस प्रकार से ठेकेदार काम कर रहा है और उसे निर्देशित करना चाहिए की पहले जंहा तक सड़क खोदी गई है उसे पूर्ण करे उसके बाद आगे खुदाई करे और निर्माण स्थल पर खुदाई करते समय जब तक रोड न बने संकेतक और अवरोधक लगाकर दुर्घठनो को रोकने का कार्य करे। समय रहते अगर इस पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी अग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगी। महू रोड पर देखा जा सकता है की किस प्रकार से दो से तीन फ़ीट सड़क खोदने के बाद भी संकेतक नहीं लगाए गए है और न ही अवरोधक लगाकर बॉउंड्री बनाई गई है जिसके कारन दुर्गटनाये करीत हो रही है। और ठेकेदार कुम्भकर्णी नींद सो रहा है।

युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट भर्ती कैंप आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत थांदला में शिक्षित युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट भर्ती कैंप आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 25 युवाओं ने पंजीयन कराया। जीडीएक्स ग्रुप के भर्ती अधिकारी श्री राजेन्द्र सरगरा ने बताया कि निर्धारित मापदंडों के अनुसार 5 युवाओं का चयन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत झाबुआ के सहयोग से जीडीएक्स ग्रुप (ग्रेटर नोएडा) द्वारा 150 सुरक्षा जवान, 20 ड्रोन पायलट एवं 30 सुरक्षा सुपरवाइज़र पदों हेतु भर्ती शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। भर्ती कैंप 17 अप्रैल को पेटलावद, 21 अप्रैल को मेघनगर, 22 अप्रैल को राणापुर एवं 23 अप्रैल को झाबुआ (पुरानी जनपद पंचायत परिसर) में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होंगे। इच्छुक युवा निर्धारित योग्यता के साथ आवश्यक दस्तावेज लेकर संबंधित जनपद पंचायत में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं।

जिले में प्रथम चरण प्रारंभ, स्व-गणना की नई सुविधा लागू

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिले में आगामी जनगणना को लेकर तैयारियां जमीनी स्तर पर प्रारंभ हो चुकी हैं। जनगणना का प्रथम चरण 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो गया है। इस बार शासन द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना की नई व्यवस्था लागू की गई है, जिसके माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज जिले में जनगणना कार्य की औपचारिक शुरुआत करते हुए स्वयं सेल्फ एन्यूमेरेटर के रूप में प्रारंभिक पंजीकरण किया। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश और समाज के भविष्य की दिशा तय करने का आधार है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस महत्वपूर्ण कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और स्व-गणना की सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जिले के सभी नागरिकों से आव्हान करते हुए कहा कि 16 अप्रैल से प्रारंभ स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेते हुए स्वयं अपना नाम दर्ज करें। आप सभी https://se.census.gov.in? वेबसाइट पर जाकर अपने घर का स्थान चिन्हित कर सकते हैं तथा परिवार के मुखिया के रूप में स्व-गणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक सरल, सुरक्षित एवं समय बचाने वाली प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से आप घर बैठे ही अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। सभी नागरिक इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और जनगणना कार्य को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

प्रदेश में स्व-गणना की अवधि 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है।

1. पोर्टल पर पंजीयन- जनगणना पोर्टल https://se.census.gov.in? पर जाकर राज्य का चयन करें एवं कैप्चा भरकर आगे बढ़ें। बेहतर अनुभव के लिए कंप्यूटर या लैपटॉप का उपयोग करें।

2. परिवार का पंजीकरण- परिवार के मुखिया का नाम एवं मोबाइल नंबर दर्ज करें। एक परिवार के लिए एक ही मोबाइल नंबर मान्य होगा। ईमेल आईडी वैकल्पिक है। ध्यान रखें कि मुखिया का नाम बाद में परिवर्तित नहीं किया जा सकेगा।

3. भाषा चयन एवं OTP सत्यापन- अपनी पसंद की भाषा चुनें (बाद में परिवर्तन संभव नहीं) तथा प्राप्त OTP दर्ज कर सत्यापन पूर्ण करें।.

4. पता विवरण दर्ज करना- जिला, गाँव/शहर, मोहल्ला/इलाका एवं आसपास का कोई पहचान चिन्ह (लैंडमार्क) दर्ज कर Search पर क्लिक करें।

5. मैप पर लोकेशन चिन्हित करना- स्क्रीन पर प्रदर्शित मैप में लाल मार्कर को अपने घर की सटीक लोकेशन पर सेट करें और "Save & Next" पर क्लिक करें।

6. प्रश्नावली भरना- घर एवं परिवार से संबंधित जानकारी सावधानीपूर्वक भरें। आवश्यकता होने पर स्वत्तह्य सेक्शन का उपयोग करें। जानकारी को बीच में सेव कर बाद में भी पूरा किया जा सकता है।

7. जानकारी का पूर्वावलोकन- "Preview" में जाकर सभी विवरणों की जांच करें एवं त्रुटि होने पर सुधार करें।

8. अंतिम सबमिशन- सभी जानकारी सही पाए जाने पर "Final Submit" करें। इसके पश्चात संशोधन संभव नहीं होगा। सबमिट करने पर 11 अंकों की SE ID प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखें।

9. घर पर सत्यापन- जनगणना अधिकारी के आगमन पर SE ID प्रदर्शित करें। ID के सत्यापन उपरांत आपकी जानकारी स्वीकार कर ली जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्व-गणना की इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग कर जनगणना कार्य को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

रतलाम पुलिस की त्वरित कार्रवाई, त्वरित एवं निष्पक्ष जांच के निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना नामली अंतर्गत दिनांक 15- 16 अप्रैल की दरम्यानी रात्रि में हवालात में बंद अभियुक्त की मृत्यु की घटना को पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार द्वारा गंभीरता से लेकर प्रकरण की जांच के निर्देश प्रदान किए गए है। थाना नामली पर नाबालिग पीड़िता की रिपोर्ट पर अभियुक्त के विरुद्ध दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के पश्चात अभियुक्त को रात्रि में थाना हवालात में बंद किया गया। दिनांक 16.04.2026 को प्रातः लगभग 04¬30 बजे हवालात चेकिंग के दौरान अभियुक्त की संदिग्ध अवस्था में मृत्यु होना पाया गया। उक्त प्रकरण की निष्पक्ष न्यायिक जांच के आदेश दिए गए है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश- घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार द्वारा सभी थाना प्रभारियों एवं स्टाफ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर– हवालात सुरक्षा, अभियुक्त तलाशी प्रक्रिया, रात्रि निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। रतलाम पुलिस द्वारा प्रकरण की जांच पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ की जा रही है।

मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करने के संकल्प के साथ आटे के दीपक का व्यवसाय शुरू किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित लखपति दीदी कार्यक्रम का लक्ष्य स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उनकी वार्षिक आय कम से कम 1 लाख रुपये तक पहुंचाना है। सरकार की इस लखपति दीदी पहल के उल्लेखनीय परिणाम सामने आने लगे हैं। खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर के पास स्थित ग्राम मोरटक्का निवासी श्रीमती विजया जोशी ने मां नर्मदा आजीविका स्वयं सहायता समूह के गठन के साथ ही आटे के दीपक निर्माण का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि प्लास्टिक के दोने में दीपदान से नदी में प्रदूषण बढ़ता है और माँ नर्मदा में विचरण करने वाले जलीय जीव जंतुओं को प्लास्टिक से नुकसान भी होता है। इसी भावना से समूह की महिलाओं ने आटे के दीपक तैयार करने के व्यवसाय का चयन किया। महिलाओं ने समूह से 1.50 लाख रूपए का ऋण लेकर आटे के दीपक बनाने के लिए मशीन खरीदी। ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री आनंद शर्मा ने बताया कि मिशन द्वारा समूह की महिलाओं को पैकेजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग में आवश्यक मदद एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है। समूह की महिलाओं ने मशीन से आटे के दीपक तैयार कर मोरटक्का के खेड़ीघाट स्थित फूलमाला और किराने की सभी दुकानों पर विक्रय के लिए उपलब्ध कराए हैं, जिससे ओंकारेश्वर व मोरटक्का में मां नर्मदा में दीपदान करने के इच्छुक श्रद्धालुओं को उचित मूल्य पर आटे के दीपक मिलने लगे हैं। समूह की अध्यक्ष श्रीमती विजया जोशी ने बताया कि प्लास्टिक के दोने में दीपदान के स्थान पर आटे के दीपक में दीपदान करने से 2 फायदे हुए। एक तो नदी में प्लास्टिक दोने में दीपदान से होने वाला प्रदूषण रूका, और साथ ही दीपक के निर्माण में प्रयुक्त आटा नदी में मछलियों के भोजन के उपयोग में आने लगा है। श्रीमती विजया जोशी ने बताया कि शास्त्रों में भी दीपदान का महत्व बताया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर लापरवाही के एक प्रकरण में प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की है। दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर के संज्ञान में आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड भीकनगांव अंतर्गत ग्राम सेल्दा निवासी प्रसूता श्रीमती मनीषा, पति श्री विनोद घोरमाडे का 17 मार्च 2026 को जिला अस्पताल खरगोन में सिजेरियन ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के दौरान गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही सामने आई, जब प्रसव के लगभग 14 दिवस बाद यह तथ्य उजागर हुआ कि ऑपरेशन के समय सर्जिकल नेपकिन प्रसूता के पेट में ही छूट गया था। इस गंभीर प्रकरण को देखते हुए कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा तत्काल जांच दल का गठन किया गया। जांच दल की विस्तृत जांच रिपोर्ट में जिला चिकित्सालय खरगोन में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित गुप्ता एवं नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती दिव्या वर्मा को दोषी पाया गया। जांच प्रतिवेदन के आधार पर आयुक्त, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा डॉ. मोहित गुप्ता को नियमानुसार निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, इंदौर संभाग इंदौर निर्धारित किया गया है। वहीं क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, इंदौर संभाग द्वारा नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती दिव्या वर्मा को भी निलंबित करते हुए निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बड़वानी निर्धारित किया गया है। निलंबित चिकित्सक अधिकारी एवं नर्सिंग ऑफिसर को निलंबन अवधि के दौरान नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के सपलम सख्त निगरानी एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

मिट्टी की जांच से संबंधित प्रशिक्षण का आयोजन होगा 18 अप्रैल को

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में उन्नत कृषि एवं मिट्टी परीक्षण को बढ़ावा देने, फसल उपज की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से जिले के प्रगतिशील कृषकों, लेब संचालक, कृषि एवं उद्यानिकी के मैदानी अमले को 18 अप्रैल 2026 को संयुक्त रूप से प्रशिक्षण एवं मिटिंग का आयोजन कलेक्टर सभागृह में सुबह 11 बजे से किया गया है। इस प्रशिक्षण से जिले के उन शिक्षित युवाओं को अवसर प्रदान करना है, जिन्होंने बी.एससी कृषि या बी.एससी विज्ञान एवं एम.एससी कृषि या एम.एससी विज्ञान की शिक्षा प्राप्त की है तथा जो निजी मृदा परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करना चाहते हैं। ऐसे सभी इच्छुक युवा इस प्रशिक्षण में भाग लेकर मृदा परीक्षण की वैज्ञानिक तकनीकों, प्रयोगशाला संचालन तथा रिपोर्ट के आधार पर किसानों को दी जाने वाली सलाह की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उप संचालक कृषि ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान मृदा नमूना लेने की सही विधि, प्रयोगशाला में परीक्षण की प्रक्रिया, परिणामों का विश्लेषण तथा उर्वरक उपयोग संबंधी अनुशंसा तैयार करने की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। साथ ही यह भी अवगत कराया जाएगा कि इच्छुक युवाओं को निजी मृदा परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने हेतु विभाग द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन, आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की जावेगी।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में प्रस्तावित जनगणना 2027 के सफल एवं त्रुटिरहित संचालन के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में समस्त चार्ज स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण 15 अप्रैल 2026 से 17 अप्रैल 2026 तक प्रदान किया जा रहा है, ताकि 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक आयोजित होने वाली जनगणना का कार्य सुचारू रूप से संपादित किया जा सके।

आज कलेक्टर डॉ. भरसट ने शा. सांदीपनि उ.मा.वि. झाबुआ में आयोजित प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण किया तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से संवाद कर उन्हें जनगणना कार्य के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसकी शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बेहतर एवं प्रभावी प्रशिक्षण के माध्यम से त्रुटियों को न्यूनतम किया जा सकता है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षण को गंभीरता से लें तथा अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करें।

जिले में कुल 2578 ग्रामीण एवं नगरीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं, जिन्हें 41 फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक बैच में सामान्यतः 40 से 45 प्रतिभागियों को शामिल किया जा रहा है, जबकि अधिकतम 50 प्रतिभागियों को एक साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, इस वर्ष जनगणना प्रक्रिया में नवाचार के रूप में स्व-गणना की सुविधा भी प्रारंभ की जा रही है। इसके अंतर्गत 15 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिक स्वयं जनगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया और अधिक सरल, पारदर्शी एवं सहभागी बन सकेगी।

कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण कार्य को पूर्ण जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ संपादित करते हुए जिले को जनगणना कार्य में उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में स्थापित करें। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार, अन्य अधिकारी कर्मचारी, फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्राविण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से की भेंट

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात प्रदेश एवं जिले की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं से कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर वातावरण उत्साह, गर्व और प्रेरणा से भरा हुआ था। कलेक्टर ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का पुष्पमाला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मान किया और उनकी इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरव का क्षण बताया।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से सहज संवाद करते हुए कहा कि सफलता किसी एक दिन का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह निरंतर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रतिफल है। आप सभी ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उन्होंने बच्चों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कक्षा 10वीं की छात्रा कु. सीमा भयडिया (पिता श्री कांतिलाल भयडिया), शासकीय कन्या उ.मा.वि. राणापुर ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में पाँचवां स्थान हासिल किया। एक साधारण परिवेश से आने वाली सीमा ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने बताया कि उनका सपना डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना है।

इसी प्रकार, अणु पब्लिक स्कूल, थांदला की छात्रा हर्षि लूणावत ने वाणिज्य संकाय में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अपने लक्ष्य के बारे में बताते हुए कहा कि वे कंपनी सेक्रेटरी बनकर देश की आर्थिक व्यवस्था में योगदान देना चाहती हैं।

कलेक्टर ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शकों का धैर्य, त्याग और विश्वास छिपा होता है।

कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों को संदेश दिया कि परिणाम चाहे जैसा भी हो, यह केवल एक पड़ाव है, मंजिल नहीं। जो विद्यार्थी आज सफल हुए हैं, वे आगे भी निरंतर मेहनत करते रहें और जो अपेक्षित परिणाम नहीं ला पाए, वे निराश न हों हर असफलता एक नई सीख और बेहतर अवसर लेकर आती है।

यह अवसर न केवल सम्मान का, बल्कि पूरे जिले के लिए प्रेरणा का भी प्रतीक बना, जहाँ हर विद्यार्थी के मन में आगे बढ़ने का नया उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दिया।

जिले की प्रावीण्य सूची (कक्षा 10वीं)- कलेक्टर ने कक्षा 10वीं की प्राविण्य सूची के विद्यार्थियों से भेंट की जिसमें कक्षा 10वीं में अथर्व पिता श्री कमलेश व्यास (97 प्रतिशत), शा. सांदीपनि उ.मा.वि. झाबुआ, कु. देशना चौधरी पिता श्री दीपक चौधरी (97 प्रतिशत), संस्कार पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, थांदला, कु. गरीमा निनामा (96.8 प्रतिशत), शा. सांदीपनि उ.मा.वि. झाबुआ, कु. हिमाली चोपड़ा (96.6 प्रतिशत), संत टेरेसा स्कूल, खवासा उपस्थित रहे।

जिले की प्रावीण्य सूची (कक्षा 12वीं)- कलेक्टर ने कक्षा 12वीं की प्राविण्य सूची के विद्यार्थियों से भेंट की जिसमें वाणिज्य संकाय से तनिषा कांकरिया (96 प्रतिशत), संस्कार पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, थांदला, नमन नागर (95.4 प्रतिशत), अणु पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, थांदला, कृषि संकाय से अंजली चौयल (94.8 प्रतिशत), श्रेयार्स हायर सेकेंडरी स्कूल, रायपुरिया, गणित संकाय से कोनार्क तिवारी (93.6 प्रतिशत), शारदा विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल, झाबुआ, हंसिंका पाठक (93.4 प्रतिशत), अणु पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, थांदला, बायोलॉजी संकाय से विनिता पाटीदार (92.6 प्रतिशत), शासकीय सांदीपनि विद्यालय, पेटलावद, कला संकाय से प्रथम पंवार (92.2 प्रतिशत), शासकीय उ.मा.वि. कल्याणपुरा, कला संकाय से साहिल सोलंकी (91.4 प्रतिशत), शासकीय उ.मा.वि. करवड़ उपस्थित रहे।

साहस, उम्मीद और नई जिंदगी की कहानी

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लावण्या सेन (उम्र 6 वर्ष), निवासी अंजड़, जिला बड़वानी की यह कहानी सिर्फ एक बच्ची की नहीं, बल्कि हिम्मत, सही समय पर इलाज और सरकारी योजनाओं की ताकत की मिसाल है। बालिका का जन्म सरकारी अस्पताल अंजड़ में हुआ। जन्म के बाद से ही लावण्या को लगातार सर्दी-खांसी की समस्या रहती थी, जो परिवार के लिए चिंता का विषय थी। लेकिन असली स्थिति तब सामने आई जब राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. रोशनी मंडलोई द्वारा जांच के दौरान दिल में छेद (हृदय रोग) की संभावना जताई गई। यह एक ऐसा पल था जहाँ डर भी था, लेकिन उम्मीद भी। तुरंत कार्रवाई करते हुए लावण्या को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, बड़वानी रेफर किया गया। विशेषज्ञों की सलाह पर उसे अरविंदो अस्पताल इको जाँच हेतु भेजा गया। और फिर आया वह दिन जिसने सब कुछ बदल दिया । 29 जून 2025, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लावण्या की सफल हृदय सर्जरी की गई। आज लावण्या स्वस्थ है, मुस्कुरा रही है और एक सामान्य जीवन की ओर बढ़ रही है। नियमित फॉलोअप के साथ उसकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से बड़वानी के किसान श्री ओंकार हुए लाभान्वित

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के किसानों के लिए केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं वरदान साबित हो रही हैं। इसी क्रम में ग्राम बालकुआँ तहसील बड़वानी के प्रगतिशील कृषक श्री ओंकार पिता बुदाजी सिरवी ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) का लाभ उठाकर आधुनिक खेती की ओर एक सफल कदम बढ़ाया है। तकनीक से मिली आर्थिक मजबूती ओंकार जी बताते है कि पूर्व में वह पारंपरिक खेती में पानी की कमी और बढ़ती लागत से चिंतित थे। पारंपरिक श्प्लावित सिंचाई पद्धतिश/नालियों के माध्यम से सिंचाई से, न केवल पानी बहुत बर्बाद होता था, बल्कि नालियों के निर्माण और प्रबंधन हेतु अत्यधिक मानव श्रम (लेबर) की भी आवश्यकता होती थी। अब ड्रिप सिस्टम लग जाने से सीमित पानी में बिना किसी लेबर के आसानी से सिंचाई संभव हो गई है। उद्यानिकी विभाग के परामर्श पर उन्होंने अपनी 3.500 हेक्टेयर भूमि पर ड्रिप सिस्टम लगवाने का निर्णय लिया। इस परियोजना की कुल लागत 4,69,749/- रुपये आई, जिसमें सरकार द्वारा उन्हें 1,93,951/- रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई। कम पानी में अधिक पैदावार की राह श्री ओंकार ने बताया कि इस योजना के माध्यम से ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाने से न केवल पानी की बचत हो रही है, बल्कि उर्वरकों का सही उपयोग और खरपतवार पर नियंत्रण भी संभव हुआ है। साथ ही फसल के उत्पादन,उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि हुई। इस आर्थिक संबल से वह अब कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर पा रहे हैं। उन्होंने अन्य साथी किसानों से भी अपील की है कि वे उद्यानिकी विभाग से संपर्क कर ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों का लाभ उठाएं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का जताया आभार योजना के सफल क्रियान्वयन और समय पर अनुदान राशि प्राप्त होने पर ओंकार जी ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में नगरपालिका परिषद खरगोन का प्रस्ताव पारित

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा संसदीय कार्य विभाग से प्राप्त निर्देशों के क्रम में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा 10 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक प्रदेशभर में उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधानों से आम नागरिकों को अवगत कराना एवं महिला सशक्तिकरण की भावना को सुदृढ़ करना है।

इसी कड़ी में 15 अप्रैल 2026 को नगरपालिका परिषद खरगोन की प्रेसीडेंट इन काउंसिल का विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन के लिए प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव में दशकों से लंबित 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को शीघ्र प्रभावी रूप से लागू करने तथा महिलाओं को केवल मतदाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रत्यक्ष भागीदार बनाने की भावना को रेखांकित किया गया। पखवाड़े के अंतर्गत व्याख्यान, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान, नारी शक्ति पदयात्रा, युवाओं द्वारा नारी शक्ति वंदन दीवार निर्माण जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश देना है। इसी क्रम में 13 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में दिए गए उद्बोधन का सीधा प्रसारण नगरपालिका परिषद के सभाकक्ष में सुना एवं देखा गया।

इसके अतिरिक्त 14 अप्रैल 2026 को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नगर के सब्जी मंडी पार्क में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा उनके द्वारा रचित संविधान के मूल्यों पर प्रकाश डाला गया।

आयोजित समस्त कार्यक्रमों में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरूण जोशी, उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री कमला कौल सहित परिषद के समस्त पार्षदगण एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के तहत व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा (10 से 25 अप्रैल) का गरिमामय आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक 16 अप्रैल 2026 को शिक्षा से ही सशक्तिकरण संभव है विषय पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जितेंद्र ठाकुर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि सशक्तिकरण एक रचनात्मक अभिव्यक्ति है। शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और जब व्यक्ति शिक्षित होता है, तो वह अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम होता है। सही-गलत की समझ और अधिकारों के प्रति जागरूकता ही सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है।ष्डॉ. शीला बघेल ने जोर देते हुए कहा कि एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं सशक्त होती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज की नींव मजबूत करती है। वह अपने बच्चों को बेहतर संस्कार देकर एक प्रगतिशील समाज का निर्माण करती है। डॉ. कंचन कन्नौजे ने शिक्षा को आर्थिक सशक्तिकरण का मुख्य साधन बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षित व्यक्ति बेहतर रोजगार प्राप्त कर सम्मानजनक जीवन जी सकता है। डॉ. लक्ष्मी वास्केल ने शिक्षा को स्वावलंबन का मार्ग बताते हुए कहा कि शिक्षा महिलाओं को न केवल रोजगार दिलाती है, बल्कि उन्हें अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने की प्रेरणा भी देती है, जिससे समाज में उनका स्थान और भी गरिमामय होता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। व्याख्यान के साथ-साथ निबंध लेखन और पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से सशक्तिकरण के संदेश को प्रदर्शित किया।कार्यक्रम का सफल आयोजन प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के मार्गदर्शन में एवं महिला सशक्तिकरण नोडल अधिकारी डॉ. लक्ष्मी वास्केल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. कल्पना सिसोदिया, प्रो. निर्मला मौर्य, प्रो. रितु कुमरावत, प्रो. अविनाश वानखेड़े, प्रो. अर्चना पीपलाद, प्रो. स्वीटी शर्मा सहित अन्य प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सड़क निर्माण में ढिलाई पर सख्त हुए अधिकारी

संभागायुक्त के निर्देश–आगर रोड से खाक चौक तक डिवाइडर में लगें फूलदार पौधे, बारिश से पहले हर हाल में पूरे हों काम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। गुरुवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने मेला क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। साफ कहा गया कि अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुरुवार को आगर रोड से खाक चौक चौराहा तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि डिवाइडर में ऐसे फूलदार पौधे लगाए जाएं, जो गर्मी के महीनों में भी खिले रहें। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा और आकर्षक मार्ग मिलना चाहिए। साथ ही निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा करने की सख्त हिदायत दी। अधिकारियों ने बताया कि चौड़ीकरण के बाद यह सड़क दोनों ओर से 12-12 मीटर चौड़ी होगी। संभागायुक्त ने दो टूक कहा कि बारिश शुरू होने से पहले सभी निर्माण कार्य हर हाल में पूरे कर लिए जाएं, वरना जिम्मेदारी तय होगी।इसके बाद शिप्रा तट के पास श्री रणजीत हनुमान मंदिर से सिंहस्थ बायपास होते हुए ग्राम गोंसा तक बन रही 4 लेन सड़क का निरीक्षण किया गया। करीब 2.1 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर काम जारी है। यहां संभागायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें और टेंडर की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। डामरीकरण का काम भी बारिश से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए।नईखेड़ी रेलवे स्टेशन तक बनने वाले 1.30 किलोमीटर लंबे पहुंच मार्ग का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक कार्य पूरे हो चुके हैं और जून तक सड़क तैयार करने का लक्ष्य है। इस पर संभागायुक्त ने काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। करोहन से नईखेड़ी पंचक्रोशी मार्ग के निरीक्षण के दौरान भी गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया गया। स्पष्ट कहा गया कि निर्माण सामग्री में किसी भी प्रकार की कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई तय है।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार शाम कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सुगम यातायात के लिए निर्देश दिए कि श्री महाकाल मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की पार्किंग मार्ग पर न हो यह सुनिश्चित किया जाए। पीएम राहत योजना अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों को 24 घंटे में स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाईल पर बात करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में गत जिला सड़क सुरक्षा समिति बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। मंडी सचिव द्वारा ट्रेक्टर ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यालय, महाविद्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 4 पहिया वाहन पर सीट बेल्ट तथा 2 पहिया वाहनों पर हेलमेट लगाने के लिए नागरिकों को जागरुक किया जाए। बैठक में सड़क दुर्घटना में घायलों को गोल्डन आवर में चिकित्सा लाभ मिल सके यह सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा, पुलिस, परिवहन और अन्य संबंधित विभाग समन्वय कर कार्य करें।

सीबीएसई 10वीं में आलोक इंटरनेशनल स्कूल का शत-प्रतिशत रिजल्ट, कृष्णपाल रहे अव्वल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के अंतर्गत संचालित आलोक इंटरनेशनल स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा में इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यार्थियों ने शानदार अंक अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय की एडमिनिस्ट्रेटर नेहा झा ने बताया कि परीक्षा में कृष्णपाल सिंह सोलंकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। शिवराज सिंह चौहान ने द्वितीय एवं शिवराज सिंह चौहान ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा भानुप्रताप सिंह चावड़ा ने चतुर्थ तथा सुमित गुर्जर ने पांचवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, नियमित अध्ययन और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन को दिया है। विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई अतिरिक्त अध्ययन सामग्री और संसाधनों ने भी इस उत्कृष्ट प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संस्था के चेयरमैन आलोक वशिष्ठ, प्राचार्या यामिनी पाटणकर एवं समस्त शिक्षकगणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा दे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय सभागृह में कृषि कल्याण तथा कृषि विकास विभाग और अन्य कृषि संबंधित विभागों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति, शासन की योजनाओं से किसानों को मिल रहे लाभ पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान कल्याण वर्ष में जिले के कृषि विकास की एकीकृत योजना बना कर आगामी कार्यदिवसों में प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंचाए,किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण देकर उन्हें उन्नत खेती के लिए प्रेरित करें।उन्होंने पीएम फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उर्वरक वितरण ,उपार्जन तथा बीज उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने ई-विकास प्रणाली से शत प्रतिशत उर्वरक वितरण सुनिश्चित करने,नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों को नवीन कृषि पद्धतियों और प्राकृतिक खेती से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में ड्रोन से नैनो उर्वरक का छिड़काव और फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जाए, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही, मैदानी अमले को सक्रिय रखते हुए शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की सतत मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए जायद फसल के दौरान ग्रीष्मकालीन उन्नत रामा काले तिल की किस्म की 500 हैक्टेयर में बुआई की गई। ग्रीष्मकालीन तिल का आगामी 03 वर्षों के लिए विशेष प्रोग्राम बनाया गया है। साथ ही सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनांतर्गत रबी सीजन में जिले के 48 कृषकों को नवाचार अंतर्गत औषधीय एवं पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड चिया सीड की खेती की शुरुआत की गई है।

बैठक में मत्स्य विभाग की मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत मत्स्यबीज संवर्धन,स्मार्ट फिश पार्लर,मछुआ प्रशिक्षण आदि योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री मत्स्य कृषक समृद्धि सह योजना अंतर्गत 1290 मछुआरों का पंजीयन कर योजना अंतर्गत मत्स्य पालन बीमा , मछुआरों को ऋण सुविधाओं का लाभ सरकार द्वारा मछुआरों को प्रदान किया जा रहा है।

नगर लौटे पंचक्रोशी यात्री, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

उंडासा से जत्थों में पहुंचे श्रद्धालु, अष्टतीर्थ यात्रा का भी हुआ शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गरमी के बीच आस्था का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए पंचक्रोशी यात्रियों का नगर प्रवेश गुरुवार को विधिवत रूप से हो गया। एक दिन पहले बुधवार से ही जत्थों में श्रद्धालुओं का शहर की ओर लौटना शुरू हो गया था, जो गुरुवार को अपने चरम पर रहा। उंडासा पड़ाव से निकले श्रद्धालु अलग-अलग समूहों में शहर पहुंचे, जहां जगह-जगह उनका स्वागत किया गया।

नगर प्रवेश के दौरान पूरे शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल नजर आया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा, पेयजल और प्रसादी से स्वागत किया। बीती रात उंडासा पड़ाव, रामघाट और सिद्धवट क्षेत्र में हजारों यात्रियों ने रात्रि विश्राम किया था, जिन्होंने गुरुवार सुबह शिप्रा स्नान कर नगर में प्रवेश किया।यात्रा के समापन के साथ ही अष्टतीर्थ यात्रा का भी शुभारंभ हुआ। परंपरा अनुसार श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुंचे और भगवान को 'बल' अर्पित किया। इसके बाद कर्कराज मंदिर और रेती घाट से अष्टतीर्थ यात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें शिप्रा तट स्थित प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन किया जा रहा है। नगर में प्रवेश के दौरान श्रद्धालु निर्धारित मार्गों से होते हुए आगे बढ़े। चामुंडा चौराहा, देवासगेट, मालीपुरा, नई सड़क, कंठाल और गोपाल मंदिर मार्ग पर भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। इसके बाद श्रद्धालु गुदरी, पानदरीबा और कार्तिक चौक होते हुए पुनः शिप्रा तट पहुंचे, जहां स्नान के बाद अष्टतीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए।

प्रशासन द्वारा भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। बावन कुंड और सिद्धवट क्षेत्र में स्नान, पेयजल और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण रूप से पूर्ण हुई।

आस्था और अनुशासन का अद्भुत संगम

पूरे आयोजन में श्रद्धा, परंपरा और अनुशासन का अद्वितीय संगम देखने को मिला। तपती धूप और थकान के बावजूद श्रद्धालुओं के चेहरे पर भक्ति और संतोष झलकता रहा। पंचक्रोशी यात्रा के समापन के साथ ही उज्जैन एक बार फिर धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत के रंग में रंगा नजर आया।

उज्जैन में समर्थन मूल्य पर 5 दिन में 26 हजार मैट्रिक टन की खरीदी

34 हजार किसानों ने स्लॉट बुक किए, 1107 खसरों की सैटेलाइट रिपोर्ट में गड़बड़ी, आज से खातों में भुगतान शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गेहूं उपार्जन कार्य रफ्तार पकड़ चुका है। महज पांच दिनों में 26 हजार मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। प्रशासन का दावा है कि खरीदी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है, वहीं किसानों को राहत देते हुए आज से उनके खातों में भुगतान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

उज्जैन जिले में इस वर्ष गेहूं बेचने के लिए करीब 1 लाख 25 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। इनमें से अब तक 34 हजार किसान स्लॉट बुक कर चुके हैं। उपार्जन केंद्रों पर किसानों की उपज की तौल और खरीदी का कार्य लगातार जारी है, जिससे मंडियों और केंद्रों पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। हालांकि इस बीच सैटेलाइट सर्वे में कुछ तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार 1107 खसरों में गेहूं की फसल नहीं पाई गई है, जिससे संबंधित किसानों की खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हुई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन मामलों की जांच कराई जा रही है। यदि जांच में खेतों में गेहूं की फसल पाई जाती है, तो संबंधित किसानों की उपज भी खरीदी जाएगी।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने उपार्जन केंद्रों का लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जहां-जहां खामियां मिलीं, वहां संबंधित प्रबंधकों पर कार्रवाई भी की गई। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए हैं कि खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होगी। प्रशासन का कहना है कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। लक्ष्य है कि किसानों की उपज का समय पर और सुविधाजनक तरीके से उपार्जन हो सके, साथ ही भुगतान भी बिना देरी के सीधे उनके खातों में पहुंचाया जाए।

इंदौर के गुमशुदा की लाश शिप्रा नदी से मिली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार शाम शिप्रा नदी से मिली लाश इंदौर के लापता युवक की होना सामने आई है। गुरुवार को उज्जैन पहुंचे परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है मामला प्रथम दृष्ट्या आत्महत्या का होना सामने आ रहा है। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि बुधवार करीब 5 बजे रामघाट पर राणोजी की छत्री के सामने कुछ श्रद्धालु स्नान कर रहे थे तभी कुछ लोगों को लाश तैरती नजर आई। उन्होंने चिल्लाया तो मौके पर होमगार्ड और एसडीईआरएफ के जवान पहुंचे और स्थानीय तैराकों की मदद से बॉडी को बाहर निकला। मृतक की जेब से चश्मा के कवर में कुछ रुपए, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, वोटर आईडी और गाड़ी की चाबी मिली है। लाश करीब एक-दो दिन पुरानी है और जिसके हाथ-पैर अकड़ गए हैं। आधार एवं वोटर आईडी कार्ड में मृतक का नाम विमल पिता कुंवर सिंह यादव लिखा था, जो शांतिनगर, छोटा बांगड़दा, इंदौर का रहने वाला था। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के भाई दीपक यादव ने बताया विमल करीब 25 दिनों से लापता था। उसके घर से जाने के अगले दिन इंदौर के एरोड्रम थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। थोड़े समय से उसका मानसिक संतुलन भी ठीक नहीं था। पहले वह स्कूल बस में कंडक्टर था। उसकी शादी हो चुकी है और दो बच्चे भी हैं। वह उज्जैन कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी नहीं है।

तेज गर्मी शुरू... पारा 40 के करीब, हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा

डॉक्टरों की सलाह–पानी ज्यादा पिएं, धूप से बचें, लक्षण दिखें तो तुरंत करें उपचार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गर्मी ने अब अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

डॉ एचपी सोनानिया के अनुसार, लगातार तेज गर्मी में रहने से शरीर का तापमान असंतुलित हो सकता है, जिससे हीट स्ट्रोक की स्थिति बनती है। इसमें चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, त्वचा का लाल होना, पसीना न आना और दिल की धड़कन तेज होना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह जानलेवा भी हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और खाली पेट घर से बाहर न निकलें। धूप में निकलते समय सिर को ढककर रखें, हल्के और सूती कपड़े पहनें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है, क्योंकि वे जल्दी प्रभावित होते हैं। गर्मी से बचाव के लिए दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। यदि जरूरी हो तो छांव में रुक-रुककर चलें और शरीर को ठंडा रखने के उपाय करते रहें। घर से निकलते समय पानी की बोतल साथ रखें और समय-समय पर पानी पीते रहें।विशेषज्ञों का कहना है कि डिहाइड्रेशन से बचना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने पर कमजोरी, थकान और चक्कर आने लगते हैं। ऐसे में तुरंत छांव में बैठकर पानी या तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी सलाह दी है कि यदि किसी व्यक्ति में हीट स्ट्रोक के लक्षण नजर आएं तो उसे तुरंत ठंडी जगह पर लिटाएं, शरीर पर ठंडा पानी डालें और जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर सावधानी और सतर्कता से इस भीषण गर्मी के असर से बचा जा सकता है।

सभी संकायों में मिला शत प्रतिशत परिणाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय शालिगराम तोमर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दौलतगंज के विद्यार्थियों ने कक्षा 12वीं के उत्कृष्ट परिणामों (100% परिणाम सभी संकाय में) द्वारा इतिहास रच दिया है। शहर का एकमात्र ई एफ ए विद्यालय के साथ साथ ही शहर का एकमात्र शासकीय विद्यालय जिसने 12वीं का परीक्षा परिणाम सभी संकायों विज्ञान, कॉमर्स तथा आर्ट्स में 100 प्रतिशत रहा है। विद्यालय में कक्षा 12वीं के ईशान डोडिया ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

कक्षा 12वीं के 83 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। कक्षा 10वीं में गोपाल बामनावत ने 85 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दसवीं के 65 प्रतिशत छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र पुरोहित ने हर्ष जताते हुए समस्त छात्रों और स्टाफ को शुभकामनाएं प्रेषित की तथा छात्रों का माला एवं उत्तरीय द्वारा सम्मान किया गया। विद्यालय में नए सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया आरंभ हो गई है। शहर का एकमात्र विद्यालय जहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस विषय का अध्यापन कराया जाता है। विद्यालय में सुसज्जित भौतिक, रसायन एवं जीवविज्ञान प्रयोगशालाएं तथा 100 कंप्यूटर युक्त कंप्यूटर लैब की सुविधा है। इसी के साथ स्वच्छ पेयजल एवं समस्त कक्षाओं में स्मार्ट क्लास से अध्यापन कराया जाता है।

विद्यालय में हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम दोनों में कक्षाएं संचालित होती है। नए सत्र से कक्षा 11 एवं 12 में कक्षाएं प्रात~पारी में तथा शेष नर्सरी से 10वीं तक कक्षाएं दोपहर पारी में संचालित होंगी। इस प्रकार शासकीय विद्यालय की श्रेणी में यह विद्यालय उत्कृष्ट परिणाम के साथ साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कक्षा 12 में 9 छात्रों ने लैपटॉप एवं एक छात्र ई स्कूटी के लिए पात्रता हासिल की है।

सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने स्व गणना पोर्टल पर स्व गणना में भाग लिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा स्व गणना की शुरुआत 16 अप्रैल से की गई है । स्व गणना 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक की जाएगी। स्व गणना को जिले में सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने स्व गणना पोर्टल पर स्व गणना प्रक्रिया में भागीदारी कर नागरिकों को जनगणना में भाग लेने का संदेश दिया।

पंचकोशी यात्रा के समापन और यात्रियों द्वारा नगर आगमन पर अखंड हिंदू युवा संगठन ने किया सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखंड हिंदू युवा संगठन द्वारा अंकपात द्वार पर पंचक्रोशी यात्रा के समापन अवसर पर आज सुबह यात्रियों को 11 क्विंटल ककड़ी का वितरण और 51 किलो गुलाब के पुष्पों से स्वागत किया गया। सभी पंचकोशी यात्रियों का स्वागत अवसर पर अखंड हिंदू युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार चंदेल, संभाग अध्यक्ष शंकर प्रजापत, जिला अध्यक्ष शुभम चौहान, जिला मीडिया प्रभारी महेंद्र शर्मा, जिला संयोजक जितेन्द्र प्रजापत, तहसील अध्यक्ष विजय प्रजापत, जिला कार्यालय महामंत्री राजेश कच्छावा, जिला संगठन महामंत्री दिनेश कुंभकार, जिला सहसचिव विजय श्रीवास, जिला मंत्री दीपक प्रेमचंदनी, महानगर अध्यक्ष विशाल जायसवाल, नगर संयोजक अरविंद कौशल, नगर मीडिया प्रभारी संदीप व्यास, सक्रिय सदस्य मनीष गहलोत, संतोष मंडावा, हेमंत मेवाड़ा, वेदप्रकाश मालवीय, कुलदीप यादव, ओम प्रजापत आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी महानगर अध्यक्ष विशाल जायसवाल द्वारा दी गई।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में एनकार्ड समिति की बैठक आयोजित

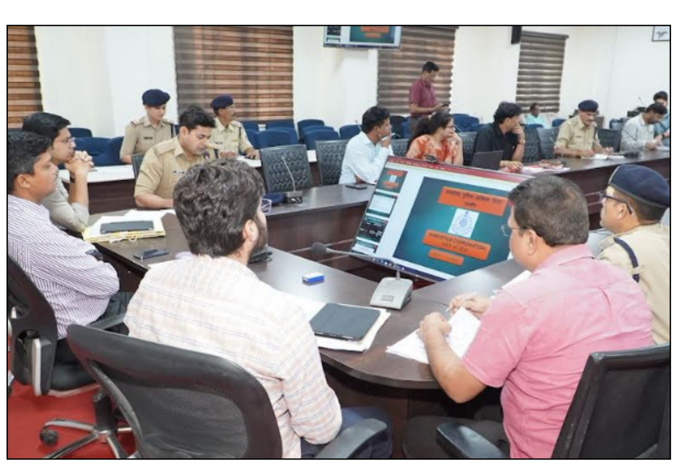

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में एनकार्ड (नार्को कार्डिनेशन समिति) की बैठक का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि नार्कोटिक एवं अन्य मादक दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय के तारतम्य में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकार्ड समिति का गठन किया गया है।

समिति के सदस्य सचिव एएसपी श्री अभिषेक रंजन ने जानकारी दी कि मादक पदार्थ तस्करी संबधी सूचनाओं/शिकायतों के लिए आम जनता के माध्यम से सूचना संकलन करने के लिए मानस हेल्पलाईन 1933 के पोस्टर/पेम्पलेट सभी कार्यालयों/थानों पर लगाए गए है। बैठक में जानकारी दी गई कि मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित सूचनाओं और शिकायत दर्ज करने के लिए मानस-नेशनल नार्कोटिक्स हेल्पलाईन नंबर 1933 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में थाना प्रभारियों के द्वारा नशे में लिप्त व्यक्तियों को नशा मुक्ति केन्द्र भेजा गया जिससे उनके जीवन में सुधार आ सके। उज्जैन पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता लाने के लिए विभिन्न प्रकार से पोस्ट, वीडियो एवं स्टेटस लगाये जा रहे हैं।

बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा जिले में मादक पदार्थों/दवाओं की रोकथाम और समन्वय के अंतर्गत की गई कार्यवाही के बारे में भी जानकारी दी गई। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग श्री एसके सोलंकी ने बताया कि जिले में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निरंतर जागरुकता अभियान चलाए जा रहे है। विद्यालयों, महाविद्यालयों में निरंतर विद्यार्थियों को मादक पदार्थो से दूर रहने के लिए के शासकीय कलापथक दल के माध्यम से नुक्कड नाटक, पोस्टर, बेनर प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। विगत 30 जनवरी को मद्य निषेध संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। आगामी 31 मई को विश्व तम्बाकु निषेध दिवस का आयोजन और 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जानकारी दी गई कि गत 26 मार्च को उज्जैन नगर स्थित निर्माण नशामुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण कर अंतर्वासियों से चर्चा की गई एवं केंद्र संचालक को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कलापथक दल द्वारा मार्च माह में उज्जैन जिले के 08 ग्रामों गुनाखेडी, सुहास, नजरपुर, रुनीजा, सुंदराबाद, घिडावद, नौगांवा और खामली के विद्यालयों में पहुंचकर शिक्षकों से चर्चा की गई और ग्रामों में नशा मुक्ति की प्रचार सामग्री का वितरण किया गया।

बैठक में श्री महाकाल मंदिर प्रशासक श्री प्रथम कौशिक, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, एडीएम श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर, एएसपी श्री आलोक शर्मा, सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल जिला औषधि निरीक्षक एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित थे।

रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश ने मारी बाजी, क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षीरसागर मैदान पर आयोजित स्वर्गीय भुरेलाल फिरोजिया स्मृति अखिल भारतीय रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन बेहद रोमांचक मुकाबले खेले गए। गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की टीमों के बीच हुई भिड़ंत में मध्य प्रदेश की टीम ने शानदार जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश की टीम में शामिल गुजरात के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और अपनी टीम को क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिलाया। मैच के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सांसद प्रतिनिधि कपिल कटारिया और चरणजीत सिंह सनी द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। आयोजन में भाजपा नेता जगदीश अग्रवाल, ऋषि वर्मा, मंडल अध्यक्ष विजय चौहान, विक्रम ठाकुर, रितेश जटिया और महामंत्री शानू मेहता उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत कपिल कटारिया ने किया। मैच के रोमांच के साथ-साथ दर्शकों में भी भारी उत्साह देखा जा रहा है। बाउंड्री के बाहर गेंद का कैच लपकने वाले चार दर्शकों को सांसद अनिल फिरोजिया की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा प्रतियोगिता के फाइनल वाले दिन सभी उपस्थित दर्शकों में से लकी ड्रॉ निकालकर बंपर इनाम भी बांटे जाएंगे। 12 से 19 अप्रैल तक चलने वाले इस बड़े ओपन टूर्नामेंट में विजेता टीम को 5 लाख 51 हजार रुपए और उपविजेता को 2 लाख 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द सीरीज के रूप में मोटरसाइकिल प्रदान की जाएगी।

शासकीय संभागीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन में निःशुल्क मॉक इंटरव्यू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। म0प्र0 लोक सेवा आयोग द्वारा म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के लिए सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2024 की मुख्?य परीक्षा में समस्त विषयों में चयनित उम्मीदवारों के लिए निःशुल्क मॉक इंटरव्यू (साक्षात्कार) कार्यालय शासकीय संभागीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन में आयोजित किए जा रहे है।